डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026
RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

दैनिक सद्भावना पाती

प्राणियों में सद्भावना हो

डॉ. देवेन्द्र मालवीय
प्रधान संपादक

14 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com | sadbhawnapaatinews@gmail.com | इंदौर, मंगलवार 28 जुलाई, 2026 | वर्ष:: 14 अंक:: 91 | मूल्य -1 रु. | कुल पृष्ठ - 8

सम्पादकीय

मिलावट पर सख्ती नहीं, स्थायी समाधान की जरूरत

डॉ देवेंद्र मालवीय
संपादक, दैनिक सदभावना पाती

जब नियमों का पालन कमजोर हो और दोषियों में कानून का भय न हो। जरूरत इस बात की है कि खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण हो, बिना लाइसेंस कारोबार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो और दोषी पाए जाने वालों को त्वरित दंड मिले। जांच रिपोर्ट और कार्रवाई में पारदर्शिता भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि उपभोक्ताओं का विश्वास बना रहे। दूसरी ओर, उपभोक्ताओं की जागरूकता भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुणवत्ता और प्रमाणित उत्पादों को प्राथमिकता देना, संदिग्ध खाद्य सामग्री की शिकायत करना और सस्ती वस्तुओं के लालच से बचना भी जरूरी है। खाद्य सुरक्षा केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की साझा जिम्मेदारी है। यदि प्रशासन की सख्ती, कानून का प्रभावी पालन और नागरिकों की सजगता साथ आए, तभी मिलावट के इस कारोबार पर स्थायी अंकुश लगाया जा सकेगा। त्योहारों की मिठास तभी सार्थक होगी, जब उसमें शुद्धता और विश्वास भी शामिल हो।

त्योहारों का मौसम खुशियों, उत्साह और विश्वास का प्रतीक होता है, लेकिन इसी समय खाद्य पदार्थों में मिलावट की घटनाएं भी बढ़ जाती हैं। दूध, घी, मावा, मिठाइयों और मसालों में मिलावट न केवल उपभोक्ताओं के साथ धोखा है, बल्कि यह सीधे लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर अपराध भी है। इंदौर सहित प्रदेश के कई शहरों में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार छापेमारी और नमूने लेने की कार्रवाई सराहनीय है, लेकिन यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या केवल त्योहारों के दौरान की जाने वाली कार्रवाई से इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है? मिलावट का कारोबार तभी फलता-फूलता है,

ब्रेन डेड आर्टिस्ट की किडनियां और लिवर इंदौर में ट्रांसप्लांट, आई बैंक को दीं आंखें

अहमदाबाद के युवक के सीने में धड़केगा गौरव का दिल

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में खजूरी बाजार निवासी सतीश दवे और कविता दवे के 25 वर्षीय बेटे गौरव को 13 जुलाई को अचानक ब्रेन हेमरेज हुआ। उन्हें राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने इलाज किया, लेकिन गौरव की हालत नहीं सुधरी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत दो बार मेडिकल चेकअप के बाद स्पेशलिस्ट टीम ने गौरव को रविवार रात ब्रेन डेड घोषित कर दिया। जवान बेटे को खोने के दर्द के बीच ही दवे परिवार ने ऐसा फैसला लिया, जिसने कई लोगों की जिंदगी में नई उम्मीद जगा दी। परिवार की सहमति से गौरव का हार्ट, लिवर, किडनियां और आंखें दान की गई हैं। इसके लिए सोमवार को इंदौर में 68वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। परिवार के इकलौते बेटे गौरव फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर का काम करते थे। वे एक्टर भी बनना चाहते थे। पिता सतीश दवे सरकारी नौकरी से रिटायर्ड हैं। मां गृहिणी हैं। छोटी बहन वैदेही की शादी हो चुकी है।

बहन, बहनोई और भाई ने की बातचीत; माता-पिता ने रजामंदी दी

ब्रेन डेथ की पुष्टि होने के बाद गौरव की बहन वैदेही राठी, बहनोई पल्केश राठी और भाई रितिक चावरे ने माता-पिता को संभाला। उनसे गौरव के अंग दान करने को लेकर बातचीत की। माता-पिता ने इसके लिए सहमति दे दी। अंगदान की प्रक्रिया में मुस्कान पारमार्थिक ट्रस्ट के सेवादार जीतू बगानी, संदीपन आर्य और लकी खत्री ने दवे परिवार का सहयोग किया। आर्य ने बताया कि डॉक्टरों ने परिवार को ब्रेन डेथ और अंगदान के बारे में समझाया।

लिवर-किडनी, आंखें इंदौर में प्रत्यारोपित; हार्ट अहमदाबाद भेजा

सोमवार सुबह गौरव का लिवर राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती 42 वर्षीय मरीज को प्रत्यारोपित किया गया। हार्ट ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से अहमदाबाद स्थित यूएन मेहता हॉस्पिटल भेजा गया, जहां 28 वर्षीय युवक को लगाया जाएगा। उनकी दोनों किडनियां चोइथराम हॉस्पिटल में भर्ती 22 और 52 वर्ष की दो महिला मरीजों को प्रत्यारोपित की गईं जबकि आंखें शंकरा आई बैंक के माध्यम से दान की गईं।

विश्व में अब तक 8 ही लोगों को हुई ये बीमारी

महक ने कहा- गौरव को बचपन से ही ब्रेन की बीमारी मोया-मोया थी, जो विश्व में अब तक सिर्फ 8 और भारत में तीन ही लोगों को हुई है। उन्हें 13 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां दो दिन बाद ब्रेन सर्जरी की गई, दो स्टेंट डाले गए थे। इसके बाद गौरव को आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। लेकिन अगले दिन ही फिर उनकी हालत बिगड़ी तो उन्हें वेंटिलेटर पर लिया गया। इसके बाद वे होश में नहीं आए। वहीं, मुस्कान पारमार्थिक ट्रस्ट के संदीपन आर्य ने कहा- दवे परिवार ने अपने व्यक्तिगत दुख से ऊपर उठकर जो निर्णय लिया, वह समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

इंदौर संभाग को मिला नया नेतृत्व: भास्कर लक्षकार बने नए संभागायुक्त

पदभार संभालते ही विकास और सुशासन पर दिया जोर

डॉ सुदाम खाड़े को मुख्यमंत्री का नया सचिव बनाया

इंदौर। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2010 बैच के वरिष्ठ अधिकारी भास्कर लक्षकार ने सोमवार को इंदौर संभाग के नए संभागायुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने से पहले उन्होंने सहपरिवार श्री खजराना गणेश मंदिर और श्री रणजीत हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे संभागायुक्त कार्यालय पहुंचे, जहां कलेक्टर शिवम वर्मा, इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर निवर्तमान संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. खाड़े को भावभीनी विदाई देते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की। भास्कर लक्षकार इससे पहले आयुक्त-सह-संचालक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के पद पर पदस्थ थे।

वे मुरैना, गुना और रतलाम सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में कलेक्टर एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्व निभा चुके हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने संभागीय अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर प्रशासनिक कार्यों की जानकारी ली। मीडिया से चर्चा में लक्षकार ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी इंदौर में सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू करना होगी। उन्होंने बताया कि जब वे प्रशासनिक सेवा में प्रोबेशनर थे, तब डॉ. सुदाम खाड़े उनके कलेक्टर थे और उनका मार्गदर्शन आज भी प्रेरणास्रोत है। नवागत संभागायुक्त ने कहा कि इंदौर संभाग की उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति पूरे देश में एक मिसाल है। अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय, टीमवर्क, पारदर्शिता और नवाचार के माध्यम से इसे और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता संभाग की व्यवस्थाओं को समझना, फील्ड भ्रमण करना और विकास कार्यों को गति देना रहेगी। विदाई समारोह में डॉ. सुदाम खाड़े ने इंदौरवासियों, जनप्रतिनिधियों और मीडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका कार्यकाल भले ही लगभग 11 माह का रहा हो, लेकिन उन्हें 11 वर्षों जैसा स्नेह और सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि इस अवधि में संभाग में कई विकास कार्य योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाए गए। डॉ. खाड़े ने विश्वास जताया कि भास्कर लक्षकार अपने अनुभव, गंभीर कार्यशैली और नवाचारों के माध्यम से शासन की प्राथमिकताओं को नई गति देंगे तथा इंदौर संभाग को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में मेरा कोई रोल नहीं: गडकरी

- सड़क और परिवहन मंत्री बोले-यह पेट्रोलियम मंत्रालय से जुड़ा
- डीपफेक वीडियो पर मेटा-एक्स पर केस करेंगे, कोर्ट की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में उनका कोई रोल नहीं है। ये दोनों प्रोजेक्ट पूरी तरह से केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हैं। दरअसल मेटा

प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल पर एथेनॉल मामले में गडकरी के कई सारे एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो वायरल हो रहे हैं। गडकरी ने याचिका में कहा है कि इन वीडियो में उन्हें एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई-20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को डिजिटल कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। अब गडकरी मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल कंपनी के खिलाफ सिविल सुट दायर कर सकते हैं। भारत में 20 फीसदी एथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के इस मिश्रण (ई 20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं।

- **सरकारी मंत्रालयों को भी बनाया गया प्रतिवादी-** इस मामले में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा दूरसंचार मंत्रालय को भी प्रतिवादी बनाया गया है। गडकरी ने स्पष्ट किया है कि इस मुकदमे का उद्देश्य सार्वजनिक चर्चा या सरकारी नीतियों की आलोचना को रोकना नहीं है। याचिका में कहा गया है कि इसका मकसद जनता को किसी भी सरकारी फैसले पर निष्पक्ष बहस या आलोचना से रोकना नहीं है। गडकरी का तर्क है कि सोशल मीडिया पर मौजूद कंटेंट पूरी तरह से झूठा, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण है। याचिका के मुताबिक, अज्ञात लोगों ने एआई वीडियो के जरिए यह गलत धारणा फैलाई कि गडकरी और उनका परिवार ईबीपी और ई20 पहल से लाभ कमा रहा है।

धनुष भी थलपति विजय की तरह राजनीति में लेंगे एंट्री!

- इवेंट में भाषण के दौरान 'जनता की भलाई' का किया इशारा

चेन्नई (एजेंसी)। साउथ के स्टार एक्टर-डायरेक्टर धनुष ने एक बार फिर राजनीति में आने की अटकलों को हवा दी है। उन्होंने अपने फैन्स से कहा कि वे सिर्फ फिल्मों से जुड़े जश्न तक ही सीमित न रहें, बल्कि अपनी एकता का इस्तेमाल जनसेवा के लिए करें। फैन्स के आयोजित एक ब्लड डोनेशन कैंप में कही गई उनकी ये बातें वायरल हो गईं। इसके बाद कई लोग सोचने लगे कि क्या वह भी थलपति विजय के नक्शेकदम पर चल रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में राजनीति में कदम रखा और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। इस इवेंट में अपने फैन्स से बात करते हुए धनुष ने एकता की ताकत के बारे में बताया और उनसे अपील की कि वे जरूरतमंद लोगों की मदद करके समाज में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा,इतने सारे लोग एक जगह जमा हुए हैं। इस तरह की एकता में बहुत ताकत होती है। हमें इस एकता को एक मकसद देना होगा।

अनाज भंडारण में पंजाब-हरियाणा से आगे निकला अपना मध्यप्रदेश

- 35 लाख मीट्रिक टन स्टोरेज क्षमता के साथ टॉप-5 पर, देश की भंडारण क्षमता में 63 फीसदी हिस्सेदारी

भोपाल। देश में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन के लिए पहचाने जाने वाला मध्य प्रदेश अब सरकारी खाद्यान्न भंडारण क्षमता में भी अग्रणी राज्यों की कतार में पहुंच गया है। संसद में केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 34.94 लाख मीट्रिक टन (3,493.80 हजार टन) खाद्यान्न भंडारण की क्षमता उपलब्ध है। इस क्षमता के आधार पर मध्य प्रदेश देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है। खास बात यह है कि पंजाब, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना और ओडिशा जैसे राज्य भी भंडारण मामले में पीछे हैं।

प्रधान बोले-स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं

- संसद पहुंचने पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था-ऐसा होता रहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुंचे। संसद परिसर में प्रधान के पहुंचते ही भाजपा और एनडीए सांसदों की भीड़ उनका स्वागत करने पहुंची। विपक्षी सांसदों ने भी उनसे मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक विपक्षी सांसद ने तंज कसा कि यह पहली बार है, जब किसी मंत्री ने आरोप का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी कहा- ऐसा होता रहता है। इस पर धर्मेंद्र प्रधान ने जवाब दिया, मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी कमरों में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं। प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

एक और सुसाइड,अब महाराष्ट्र की नीट छात्रा ने दी अपनी जान

- जंतर-मंतर में सीजेपी आंदोलन के बाद आया पहला केस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली। नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद सुसाइड का यह पहला मामला है। नीट मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं। अंकिता ने सुसाइड नोट में लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 मार्क्स मिले, जबकि कटऑफ 177 था। मेरे इस कदम के लिए माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न माने।

एंटी पेपर लीक संशोधन बिल लोकसभा में पेश

पेपर लीक किया तो अब होगी 10 साल की जेल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लोकसभा में एंटी पेपर लीक संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया है। इसका मकसद पेपर लीक, संगठित नकल और परीक्षा में होने वाली धांधली पर पहले से कहीं ज्यादा सख्ती करना है। प्रस्तावित कानून के तहत संगठित पेपर लीक के मामलों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। साथ ही जांच और सुनवाई को भी तय समय में पूरा करने का प्रावधान किया गया है। जब देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक को लेकर छात्रों का भारी विरोध प्रदर्शन हुआ, यही कारण है कि यह बिल लाया गया। सरकार का कहना है कि ईमानदारी से तैयारी करने वाले छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए कानून को और मजबूत बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सख्त कार्रवाई, तेज जांच और फास्ट ट्रैक कोर्ट का भरोसा जता चुके हैं। इसके साथ ही एनटीए में तकनीकी सुधारों के सुझाव देने के लिए नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स भी बनाई गई है।

पेपर लीक पर अब 10 साल तक की जेल- सबसे बड़ा बदलाव सजा में किया गया है। संगठित तरीके से पेपर लीक कराने या नकल गिरोह चलाने वालों को अब अधिकतम 10 साल तक की जेल हो सकती है। पहले यह सजा 5 साल तक थी। सरकार का मानना है कि ऐसे मामलों के पीछे संगठित गिरोह काम करते हैं, इसलिए कड़ी सजा जरूरी है।

जुर्माना बढ़कर 10 करोड़ रुपए तक- बिल में आर्थिक सजा भी काफी बढ़ाई गई है। अब दोषियों पर अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। इसके अलावा यदि पेपर लीक के कारण परीक्षा दोबारा करानी पड़े, तो उसका खर्च भी दोषियों से वसूला जा सकेगा। अब केवल प्रश्नपत्र लीक ही नहीं, बल्कि एआई की मदद से नकल,परीक्षा प्रणाली की हैकिंग सब शामिल होंगे।

केवल छात्र नहीं, एजेंसियां भी होंगी जिम्मेदार

यदि परीक्षा कराने वाली एजेंसी, सर्विस प्रोवाइडर, तकनीकी कंपनी या कोई अधिकारी लापरवाही या मिलीभगत का दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। इससे पूरी परीक्षा व्यवस्था की जवाबदेही तय होगी। बिल में जांच एजेंसियों को ज्यादा अधिकार देने, केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाने और फास्ट ट्रैक अदालतों में मामलों की जल्द सुनवाई का प्रावधान किया गया है। सरकार का मकसद है कि पेपर लीक के मामलों का जल्दी निपटारा हो और दोषियों को समय पर सजा मिले। 2024 में बने कानून में बदलाव होंगे, सजा-जुर्माना दोनों बढ़ेंगे राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का अधिकार मिलेगा, जहां मामलों की रोजाना सुनवाई होगी। यह कानून केंद्र सरकार और उसकी एजेंसियों द्वारा आयोजित सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होगा। इनमें रेलवे भर्ती, बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं और अन्य केंद्रीय भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाएं शामिल हैं। सरकार ने यह संशोधन नीट पेपर लीक विवाद और देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के बाद लाया है। पीएम मोदी ने 23 जुलाई को कानून को और सख्त बनाने का ऐलान किया था। बाद में इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधार के लिए हाई-पावर्ड टास्क फोर्स बनाने की भी घोषणा की गई।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

भोपाल, मंगलवार 28 जुलाई, 2026

मध्य प्रदेश में घट रहे हैं मिलावट के आंकड़े

लेकिन कम होती जांच और लैब की खस्ताहाली ने बढ़ाई चिंता

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में असुरक्षित और मिलावटी खाने के मामले कम जरूर नजर आ रहे हैं, लेकिन इसका कारण यह नहीं है कि खाद्य पदार्थों की शुद्धता बढ़ गई है। इसके पीछे असल वजह यह है कि विभाग द्वारा फूड सैंपलिंग का काम ही कम कर दिया गया है। मध्य प्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आंकड़े बताते हैं कि पिछले तीन सालों में जहां एक तरफ मिलावट के नियमों का उल्लंघन करने वाले मामले घटे हैं, वहीं दूसरी तरफ सैंपलिंग में भी 11.1 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। सैंपलिंग और पकड़े जाने वाले मामलों के बीच का यह अंतर अब इस बात पर सवाल खड़े कर रहा है कि क्या खाद्य सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक सख्ती कम हो गई है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में साल 2023-24 के दौरान कुल 13,998 खाद्य नमूनों की जांच की गई थी, जिनमें से 2,022 सैंपल मानक के अनुरूप नहीं पाए गए थे। इसके बाद साल 2024-25 में 13,920 सैंपल टेस्ट हुए और 1,635 सैंपल मिलावटी या सबस्टैंडर्ड निकले। वहीं, साल 2025-26 के शुरुआती और अनंतिम आंकड़ों में यह गिरावट और ज्यादा साफ दिखाई देती है, जिसमें 12,448 नमूनों की जांच हुई और केवल 757 सैंपल ही फेल घोषित किए गए। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि 2025-26 के ये आंकड़े अभी शुरुआती हैं और आगे की जांच व अदालती कार्यवाही के बाद इनमें बदलाव हो सकता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर की भारी कमी और लैब में नहीं था फूड एनालिस्ट

आम उपभोक्ता के लिए ये आंकड़े सिर्फ कागजी नहीं हैं, बल्कि सीधे तौर पर उनकी सेहत से जुड़े हैं। जब बाजार में सैंपलिंग कम होती है, तो मिलावटी सामान बिना पकड़े सीधे लोगों की थाली तक पहुंच जाता है। राज्य में एमपीएफडीए की बुनियादी सुविधाओं की पोल भी खुलती नजर आ रही है। फरवरी के दौरान स्थिति यह थी कि नियमित टेस्टिंग पूरी तरह ठप पड़ गई थी क्योंकि एजेंसी के पास ऑन-रोल कोई फूड एनालिस्ट ही नहीं था और माइक्रोबायोलॉजी लैब भी बंद पड़ी थी। छिंदवाड़ा में हुई कफ सिरप की दर्दनाक घटना के बाद विभाग की मॉनिटरिंग और लाइसेंसिंग प्रणाली पर गहरे सवाल खड़े हुए थे। कोल्ड्रिफ सिरप के जहरीले बैच के सेवन से 20 से ज्यादा बच्चों की जान चली गई थी, जिससे विभाग की कार्यशैली कटघरे में आ गई थी। भले ही विभाग की तरफ से समय-समय पर मामले दर्ज किए जाते रहे हों, जैसे कि सिविल मामलों की संख्या 2023-24 में 1,938 से बढ़कर 2024-25 में 2,597 हुई और फिर 2025-26 में घटकर 1,790 पर आ गई, लेकिन घटती जांच का यह दायरा आम जनता के स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बना हुआ है।

खत्म हुआ इंतजार, भोपाल के निशातपुरा रेलवे स्टेशन से अब चलेंगी ट्रेनें

आज सीएम करेंगे लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। निशातपुरा रेलवे स्टेशन महीनों पहले बनकर तैयार हो गया था। लेकिन वहां से ट्रेनें नहीं चल रही थीं। इस स्टेशन से गाड़ियां तो गुजरती थीं लेकिन किसी भी ट्रेन का कोई स्टॉपेज नहीं था। न ही कोई ट्रेन खुलती थी। इसकी वजह से लोग इस भूतिया स्टेशन भी कहने लगे थे। लेकिन 28 जुलाई से यहां से ट्रेनें चलने लगेंगी। सीएम मोहन यादव इस स्टेशन का लोकार्पण करेंगे।

मंत्री विश्वास सारंग ने किया निरीक्षण- उद्घाटन से पहले प्रदेश के खेल एवं युवा विकास मंत्री विश्वास सारंग ने मौके पर पहुंचकर इसका निरीक्षण किया है। साथ ही कार्यक्रम की तैयारियों को देखा है। अधिकारियों को उन्होंने समयबद्ध और व्यवस्थित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

भोपाल को मिलेगी नई पहचान- मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि निशातपुरा रेलवे स्टेशन का संचालन केवल एक नए रेलवे स्टेशन

का शुभारंभ नहीं, बल्कि तेजी से विकसित हो रहे भोपाल की नई पहचान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की गई महत्वपूर्ण अधोसंरचना है। यह भोपाल के लाखों नागरिकों के लिए एक ऐतिहासिक सौगात साबित होगी।

उन्होंने बताया कि 28 जुलाई को शाम 5 बजे मुख्यमंत्री मोहन यादव निशातपुरा रेलवे स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद स्टेशन से यात्री रेल सेवाओं का नियमित संचालन प्रारंभ होगा। इंदौर की ओर जाने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन निशातपुरा रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। विशेष रूप से मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस का ठहराव अब निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर होगा।

भोपाल में हो गए अब चार रेलवे स्टेशन- भोपाल शहर का विस्तार अब तेजी से हो रहा है। शहर के विस्तार के साथ-साथ सुविधाओं की भी जरूरत है। भोपाल शहर में अब चार रेलवे स्टेशन हो जाएंगे। पहले से भोपाल, रानी कमलापति और संत हिरदाराम नगर स्टेशन हैं। इसमें नया निशातपुरा स्टेशन का नाम जुड़ गया है।

इन्हें होगा ज्यादा लाभ- मंत्री सारंग ने कहा कि निशातपुरा रेलवे स्टेशन विशेष रूप से करोंद, निशातपुरा, छोला, भानपुर, अयोध्या बायपास, द्वारका नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के लाखों नागरिकों के लिए बड़ी सुविधा लेकर आया है। अब इन क्षेत्रों के लोगों को ट्रेन पकड़ने के लिए शहर के भीड़भाड़ वाले मुख्य रेलवे स्टेशन तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय की बचत होगी, ट्रैफिक का दबाव कम होगा और यात्रियों को अधिक सुविधाजनक रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी।

श्रीरामानुज संस्कृत परिसर रीवा में नए शैक्षणिक सत्र से सभी पाठ्यक्रमों का संचालन सुनिश्चित किया जाए : उप मुख्यमंत्री

पद सृजन एवं समयबद्ध भर्ती के निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के श्रीरामानुज संस्कृत परिसर, लक्ष्मण बाग, रीवा के सुदृढ़ीकरण एवं संस्थागत विकास संबंधी प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए परिसर में आवश्यक शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों के सृजन का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने तथा समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र से परिसर में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं अकादमिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक मानव संसाधन समय पर उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानकों एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप सभी आवश्यक पदों के सृजन एवं शीघ्र भर्ती की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु, कुलसचिव एवं विश्वविद्यालय प्रबंधन के साथ बैठक कर इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी को विश्वस्तरीय संरक्षण एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सोमवार को मंत्रालय में मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी के उन्नयन एवं विस्तार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को मास्टर प्लान के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी का विस्तार केवल पर्यटन की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, अनुसंधान और जन-जागरूकता को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्रीमती समीता राजौरा वास सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी मध्यप्रदेश की विशिष्ट पहचान है और इसे राष्ट्रीय स्तर का उत्कृष्ट वन्यजीव संरक्षण एवं इको-टूरिज्म केंद्र बनाया जाए। बैठक में वर्ष 2026-27 से 2045-46 तक की अवधि के लिए तैयार मास्टर प्लान की समीक्षा की गई।

भाजपा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से की कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की शिकायत

भाजपा ने जीतू पटवारी के दतिया में प्रचार पर रोक लगाने की मांग की

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के दतिया विधानसभा उपचुनाव के दौरान दिए गए बयान को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त को शिकायत दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लिखित शिकायत में कहा है कि जीतू पटवारी ने चुनावी सभा के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं शासकीय संस्थाओं पर तथ्यहीन और तर्कहीन आरोप लगाए हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने इन आरोपों को निराधार, भ्रामक और अत्यंत आपत्तिजनक बताते हुए कहा गया है कि इस प्रकार के बयान से न केवल प्रदेश के मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने का प्रयास हैं, बल्कि शासकीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर भी अनावश्यक प्रश्नचिह्न लगाते हैं। भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जीतू पटवारी के बयान से मतदाताओं के बीच भ्रम और तनाव की स्थिति उत्पन्न होने के साथ-साथ दतिया में कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि श्री पटवारी का बयान आदर्श आचार संहिता की भावना के विपरीत है और चुनावी माहौल को प्रभावित करने वाला है। इसलिए निर्वाचन आयोग से मांग की गई है कि मामले की तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा चुनाव प्रचार की शेष अवधि के लिए श्री जीतू पटवारी के दतिया विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश एवं चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध लगाया जाए, ताकि मतदाता निर्भय एवं शांतिपूर्ण वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

जबलपुर के किशोर आर्यव श्रीवास्तव एआई विशेषज्ञ

भोपाल। जबलपुर से जुड़े 15 वर्षीय प्रतिभाशाली छात्र आर्यव श्रीवास्तव ने कम उम्र में ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स, विज्ञान और संगीत के क्षेत्र में कनाडा में अपनी अलग पहचान बनानी शुरू कर दी है। हाल ही में उनके द्वारा लिखे गए शोधपरक लेख में उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित कम लागत वाले रोबोटिक समाधान की अभिनव अवधारणा प्रस्तुत की है, जिसका उद्देश्य नदियों, झीलों और बंदरगाहों से माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को प्रभावी ढंग से हटाना है। आर्यव ने इस परियोजना का कार्यशील मॉडल तैयार कर ओंटारिओ में राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया और अपने राज्य का राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता में अलबर्टा में प्रतिनिधित्व किया। उल्लेखनीय है कि वे विगत वर्ष भी राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक विजेता रह चुके हैं। उनकी यह उपलब्धि उनकी वैज्ञानिक सोच, इनोवेशन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आर्यव केवल एक उभरते हुए आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स उत्साही ही नहीं, बल्कि एक मान्यता प्राप्त पियानो वादक भी हैं। तकनीक, संगीत और रचनात्मक सोच का यह अनूठा समन्वय उन्हें अपनी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनाता है। इन दिनों आर्यव अपनी गर्मी की छुट्टियाँ बिताने जबलपुर आए हुए हैं। उनके नाना-नानी सुशील दीवान एवं सुमन दीवान आज भी जबलपुर में निवास करते हैं। उनके दादा प्रसिद्ध व्यंग्यकार समीर लाल, जो वर्तमान में कनाडा में रिस्क मेनेजमेंट एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स गवर्नेंस के विशेषज्ञ, लेखक एवं अंतरराष्ट्रीय वक्ता हैं, कनाडा जाने से पूर्व जबलपुर में एक प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। इसी कारण परिवार का जबलपुर से संबंध बना हुआ है।

29 साल की मेकअप आर्टिस्ट से रेप

घुमाने के बहाने होटल ले गया, शादी का वादा कर किया दुष्कर्म, केस दर्ज, आरोपी फरार

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रातीबड़ इलाके में मेकअप आर्टिस्ट से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़िता से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की, इसके बाद वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने जल्द शादी करने का भरोसा पीड़िता को दिलाया था। अब युवक ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। तब पीड़िता थाने पहुंची और एफआईआर दर्ज करा दी। टीआई रास बिहारी शर्मा के मुताबिक, 29 वर्षीय युवती मेकअप आर्टिस्ट है। करीब एक महीने पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी पहचान रोहित परमार से हुई थी।

वीडियो सोशल मीडिया में साझा किया, कहा- आदिवासियों का शांतिपूर्ण सत्याग्रह भी कुचला जा रहा

राहुल गांधी ने केन-बेतवा प्रभावितों की लड़ाई को दिया समर्थन

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से प्रभावित किसानों और आदिवासियों के आंदोलन का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए केंद्र और मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना के कारण आदिवासियों की जमीन तो ले ली गई, लेकिन उन्हें न न्यायपूर्ण मुआवजा मिला और न ही सम्मानजनक पुनर्वास।

सरकार सत्य और सत्याग्रह दोनों से डरती है

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि सत्य और सत्याग्रह, दोनों से मोदी सरकार डरती है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के आदिवासी भाई-बहन अपनी मांगों को लेकर जल सत्याग्रह और भूख हड़ताल पर बैठे थे, क्योंकि केन-बेतवा परियोजना में उनकी जमीन अधिग्रहित कर ली गई, लेकिन उनके अधिकारों की अनदेखी की गई।

सरेराह युवक की चाकू गोदकर हत्या

- **पेट, सीने और पीठ पर ताबड़तोड़ वार; भाई बोला- पत्नी पर बुरी नजर रखता था आरोपी**

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गौतम नगर इलाके में रविवार की रात पारिवारिक रंजिश ने खूनी रूप ले लिया। घर के पास कलारी के सामने 25 वर्षीय युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ चार वार कर उसकी हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में तीन टीमें लगाकर दबिश दे रही है।

मृतक की पहचान सचिन पंथी (25) पुत्र मुकेश पंथी, निवासी गणेश मंदिर के पास, अटल अयूब नगर, थाना गौतम नगर के रूप में हुई है। वह चौक बाजार की एक क्रॉकरी दुकान में सेल्समैन था। परिवार में पांच भाई और एक बहन हैं, सचिन तीसरे नंबर पर था।

मृतक के भाई छोटू का आरोप है कि हत्या करने वाला राकेश पंथी, जो रिश्ते में मृतक की बुआ का बेटा है, लंबे समय से परिवार की महिलाओं पर गलत नजर रखता था। खासकर मेरी पत्नी पर वह लगातार अशोभनीय टिप्पणियां करता था। इसी बात को लेकर दोनों परिवारों के बीच तनाव बढ़ता गया।

कलियासोत डैम के कैचमेंट में अवैध मड रेस, बिना सुरक्षा के होता है आयोजन; दो गाड़ियों में हुई टक्कर

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कलियासोत और केरवा डैम के कैचमेंट एरिया में अवैध मड रेस का आयोजन किया जाता है। कैचमेंट में एरिया में आयोजित मड रेस में दर्जनों गाड़ियां आती हैं। साथ ही देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ती है। इस आयोजन के लिए प्रशासन की कोई अनुमति नहीं होती है। न ही वहां पर सुरक्षा के इंतजाम होते हैं।

मड रेस का आयोजन- रविवार को छुट्टी का दिन था। इस दिन भी कैचमेंट एरिया में मड रेस का आयोजन शाम को करीब 3 बजे के बाद किया गया था। मड रेस में शामिल होने के लिए दर्जनों प्रतिभागी अपनी गाड़ियों को लेकर पहुंचे थे। साथ ही इस रोमांचकारी आयोजन को देखने के लिए शहर के लोग भी बड़ी संख्या में आए थे। मगर प्रशासन को इसकी खबर नहीं थी। बताया जा रहा है कि ऐसे आयोजन वहां हमेशा होते हैं।

दो गाड़ियों में हो गई टक्कर

वहीं, मड रेस के आयोजन के दौरान दो गाड़ियों में टक्कर हुई है। एक बड़ी गाड़ी से जिप्सी टकरा गई। टक्कर के बाद जिप्सी के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। इस दौरान वहां सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। न ही प्रशासन को खबर थी। टक्कर के बाद वहां मौजूद लोग गाड़ियों के करीब पहुंच गए। फिर देखने लगे कि चालक को तो कोई नुकसान नहीं हुआ है न।

इको सिस्टम से खिलवाड़- दरअसल, कलियासोत डैम के कैचमेंट एरिया में इस तरह के आयोजन इको सिस्टम से खिलवाड़ है। हर वीकेंड पर यहां नियमों से खिलवाड़ होता है। लोग प्रतिबंधित क्षेत्र में बाइक ले जाकर स्टंट करते हैं। वीकेंड के मौके पर कैचमेंट एरिया में भारी भीड़ उमड़ती है।

मालिक के साथ थमी थीं डुग्गू की सांसें, अब दोनों को एक साथ दी गई श्रद्धांजलि

अटूट है इंसान और जानवर की प्रेम कहानी

बैतूल (नप्र)। कभी-कभी कुछ रिश्ते खून के नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और निःस्वार्थ समर्पण से बनते हैं। बैतूल में इंसान और उसके पालतू साथी के ऐसे ही अटूट रिश्ते ने पूरे शहर को भावुक कर दिया। 15 वर्षों तक अपने मालिक का साया बनकर रहने वाले पालतू डॉगी डुग्गू ने अपने मालिक प्रदीप जीवनधर जैन (67) का साथ अंतिम सांस तक निभाया। अब इस अनोखे रिश्ते को याद करते हुए शहर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में हर आंख नम दिखाई दी। मालिक और डॉगी के अंतिम सफर की इस कहानी ने सभी शहरवासियों को भावुक कर दिया। सभी ने नम आंखों से दोनों को पुष्पांजलि अर्पित की।

दोनों को एक साथ अर्पित किए श्रद्धासुमन

रविवार को बैतूल स्थित राधाकृष्ण धर्मशाला में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में परिवारजन, रिश्तेदार, समाज के वरिष्ठजन, मित्र एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम में केवल प्रदीप जैन को ही नहीं, बल्कि उनके वफादार साथी डुग्गू को भी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

- **अंतिम सांस तक दिया साथ-** कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने उस मार्मिक घटना को याद किया जिसने पूरे बैतूल को भावुक कर दिया था। प्रदीप जैन का भोपाल स्थित एम्स अस्पताल में उपचार के दौरान निधन होने के बाद जब उनका पार्थिव शरीर बैतूल लाया गया, तब डुग्गू पूरी रात उनके पास बैठा रहा। वह बार-बार अपने मालिक को निहारता रहा, मानो उन्हें उठने का इंतजार कर रहा हो। जब अंतिम यात्रा निकली तो डुग्गू भी अर्थी के पीछे-पीछे चलता हुआ श्मशान घाट तक पहुंचा। वहां कुछ देर अपने मालिक के पास शांत बैठा रहा और फिर उसने भी वहीं अंतिम सांस ले ली। इस दृश्य को जिसने भी देखा, उसकी आंखें भर आईं।
- **प्रेम की मिसाल बना यह रिश्ता-** श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में जहां रिश्तों में स्वार्थ और दूरियां बढ़ती जा रही हैं, वहीं डुग्गू ने अपनी वफादारी से यह साबित कर दिया कि सच्चा प्रेम किसी भाषा या शब्दों का मोहताज नहीं होता।

मूंग खरीदी पर केंद्र-एमपी सरकार आमने-सामने

देश का 87 प्रतिशत कोटा एमपी से... फिर भी प्रदेश में सिर्फ 2 फीसदी खरीद हुई, लेटर वॉर छिड़ा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में मूंग खरीदी को लेकर किसानों का आंदोलन तेज होता जा रहा है। नर्मदापुरम्, सीहोर, रायसेन, हरदा और आसपास के जिलों में किसान समर्थन मूल्य पर खरीदी नहीं होने से नाराज हैं। इसी बीच केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि प्रदेश को देश में सबसे अधिक मूंग खरीदी का कोटा पहले ही दिया जा चुका है।

इसके बावजूद राज्य सरकार अब तक स्वीकृत मात्रा का महज 2 प्रतिशत ही खरीद सकी है। ऐसे में पहले स्वीकृत लक्ष्य पूरा करने के बाद ही अतिरिक्त कोटे पर विचार किया जाएगा।

तीन दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेजे गए पत्र में शिवराज सिंह चौहान ने लिखा है कि मुख्यमंत्री ने 21 मई 2026 के अपने लेटर के माध्यम से मूंग खरीदी की मात्रा बढ़ाने का अनुरोध किया था। इसके जवाब में केंद्र ने खरीद के नियमों और प्रदेश की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की है।

16 जुलाई तक सिर्फ 7,947 टन खरीदी- केंद्र सरकार ने पत्र में कहा है कि 16 जुलाई 2026 तक राज्य में केवल 7,947.92 मीट्रिक टन मूंग की खरीद हो सकी है। इससे लगभग 12 हजार किसानों से ही उपज खरीदी गई, जबकि यह स्वीकृत मात्रा का मात्र 2 प्रतिशत है। केंद्र ने राज्य सरकार से पहले मंजूर मात्रा की खरीदी तेजी से पूरी कराने को कहा है। एमपी में मूंग खरीदी का कोटा 4,54,580 मीट्रिक टन है। 16 जुलाई तक मात्र दो फीसदी ही मूंग खरीद हुई है।

कोटा पूरा होने के बाद ही बढ़ेगी सीमा- शिवराज सिंह चौहान ने पत्र में स्पष्ट किया है कि पीएसएस (मूल्य समर्थन योजना) के दिशा-निर्देशों के तहत तूर, उड़द और मसूर की 100 प्रतिशत खरीद के अलावा अन्य अधिसूचित फसलों की खरीद अनुमानित उत्पादन के अधिकतम 25 प्रतिशत तक ही की जा सकती है। इसलिए पहले स्वीकृत मात्रा की खरीद पूरी होने के बाद ही अतिरिक्त मात्रा की मंजूरी के प्रस्ताव पर नियमों के अनुसार विचार किया जाएगा।

इधर किसान आंदोलन तेज, भोपाल तक पदयात्रा

मूंग खरीदी समेत कई मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा मध्य प्रदेश ने 27 जुलाई से नर्मदापुरम् के सेठानी घाट से किसान क्रांति पदयात्रा शुरू करने की घोषणा की है। पदयात्रा बुधनी, बरखेड़ा, ओबेदुल्लागंज और मंडीदीप होते हुए 29-30 जुलाई को भोपाल पहुंचेगी। किसानों की योजना मिसरोद, बाग सेवनिया, रानी कमलापति, बोर्ड ऑफिस, रोशनपुरा और पॉलीटेक्निक चौराहे से होते हुए मुख्यमंत्री निवास तक मार्च निकालने की है। किसान अपने साथ ट्रैक्टर, पिकअप और अन्य वाहनों में भोजन व दैनिक उपयोग की सामग्री भी लेकर चलेंगे।

किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि मुख्यमंत्री से वार्ता नहीं हुई या मांगों पर संतोषजनक निर्णय नहीं निकला तो भोपाल में चक्काजाम किया जाएगा। साथ ही ओबेदुल्लागंज से मिसरोद के बीच रेल मार्ग बाधित करने की भी संभावना जताई गई है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
3
भोपाल, मंगलवार 28 जुलाई,2026

शुभम वैली प्लॉट विवाद में नया मोड़: पुलिस ने कथित साजिश का किया खुलासा, नाना-भरत पटवारी से पूछताछ

इंदौर। शुभम वैली कॉलोनी के प्लॉट विवाद में इंदौर पुलिस ने कथित साजिश का खुलासा करने का दावा किया है। डीसीपी जोन-1 नरेंद्र सिंह रावत के अनुसार, मामले की जांच के दौरान ड्रग्स प्रकरण से कथित संबंध और संभावित मनी लॉन्ड्रिंग के पहलुओं की भी जांच की जा रही है। यह मामला पलासिया कॉलोनी निवासी पायल साहनी की शिकायत के बाद सामने आया। पुलिस के अनुसार, पायल साहनी ने आरोप लगाया कि कॉलोनाइजर सुमित मंत्री द्वारा विकसित शुभम वैली कॉलोनी में दो प्लॉटों के

अनुबंध के नाम पर उसके साथ ?36 लाख की धोखाधड़ी की गई। जांच के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाइयों नाना पटवारी और भरत पटवारी के साथ-साथ कॉलोनाइजर सुमित मंत्री से भी पूछताछ की गई।

डीसीपी रावत ने बताया कि पूछताछ के दौरान संबंधित प्लॉट को लेकर फर्जी दस्तावेज और गवाह प्रस्तुत कर यह दावा किया गया कि प्लॉट बिजलपुर निवासी सुमित पटेल का है और उसने मौखिक रूप से अधिकृत किया था। हालांकि, पुलिस द्वारा पूछताछ में सुमित पटेल ने कथित रूप से बताया कि विवादित प्लॉट ड्रग्स प्रकरण के आरोपी इरफान चंदेरी ने डायरी पर खरीदा था। पुलिस का दावा है कि वास्तविक तथ्यों को छिपाकर ड्रग्स कनेक्शन और संभावित मनी लॉन्ड्रिंग से बचने का प्रयास किया गया। पुलिस ने मामले से संबंधित डायरी जब्त कर ली है। राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने भरत पटवारी से भी पूछताछ की है। डीसीपी के अनुसार, जांच जारी है और यदि मनी लॉन्ड्रिंग के साक्ष्य मिलते हैं तो प्रकरण आगे की जांच के लिए संबंधित केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा जा सकता है।

33 साल का इंतजार, 6 करोड़ जमा... फिर भी योजना-171 पर ताला

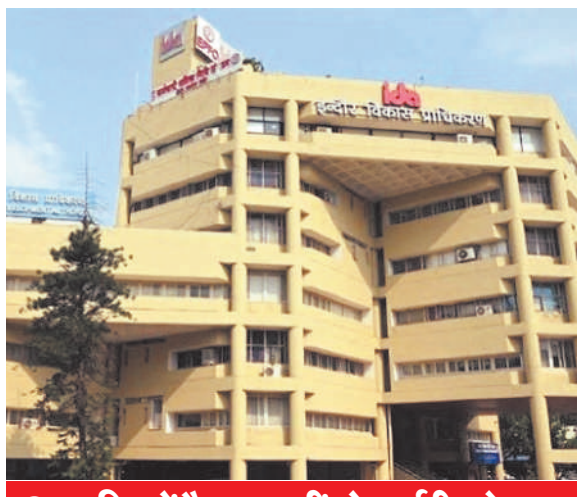

● 10 दिन में फैसला नहीं तो आईडीए के खिलाफ आर-पार का आंदोलन, हजारों परिवारों का फूटा गुस्सा

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) की 33 वर्षों से लंबित योजना क्रमांक-171 (पूर्व योजना-132) को लेकर अब प्रभावितों का सब्र जवाब देने लगा है। सैकड़ों प्लॉटधारकों, भू-स्वामियों और सहकारी संस्थाओं के सदस्यों ने खुली चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों में मुक्त करने का आदेश जारी नहीं हुआ तो आईडीए के खिलाफ बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा। 13 सहकारी संस्थाओं से जुड़े करीब 6 हजार सदस्य और 200 से अधिक प्लॉट मालिक इक्ठ्ठे हुए और आईडीए पर वादाखिलाफी, लापरवाही और तानाशाही रवैये के आरोप लगाए। लोगों का कहना है कि तीन दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी न तो योजना पर कोई ठोस निर्णय हुआ और न ही प्रभावितों को उनके भूखंडों पर निर्माण की अनुमति मिली। लोगों ने आरोप लगाया कि हजारों परिवारों ने जीवनभर की कमाई लगाकर प्लॉट खरीदे और योजना मुक्त कराने के लिए करीब 6 करोड़ रुपए आईडीए में जमा कराए, लेकिन बदले में केवल आश्वासन मिले। कई सदस्य अपने प्लॉट पर घर बनाने का सपना लिए दुनिया छोड़ गए, जबकि अनेक लोग आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आफिस के चक्कर काट रहे हैं। प्रभावितों का कहना है कि 1993 में लागू योजना-132 को हाईकोर्ट ने विकास कार्य शुरू नहीं होने के कारण निरस्त कर दिया था। इसके बावजूद 2009 में उसी क्षेत्र में योजना-171 लागू कर दी गई, लेकिन 17 साल बाद भी न भूमि अधिग्रहण हुआ और न कोई विकास कार्य शुरू हुआ। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासनिक निष्क्रियता का फायदा उठाकर भूमाफियाओं और असामाजिक तत्वों ने कई प्लॉटों पर कब्जे कर निर्माण तक कर लिया, जबकि वास्तविक मालिक आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सभा में साफ कहा गया कि अब और इंतजार नहीं होगा। यदि 10 दिन में योजना-171 को मुक्त नहीं किया गया तो हजारों परिवार सड़कों पर उतरकर आईडीए के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। प्रभावितों का कहना है कि यह केवल जमीन का नहीं, बल्कि 33 वर्षों से अधूरे पड़े हजारों परिवारों के आशियाने के सपनों का सवाल है।

स्कूल ऑफ एक्सीलेंस फॉर आई में अनियमितताओं के आरोप, जांच की मांग

इंदौर। स्कूल ऑफ एक्सीलेंस फॉर आई में कथित वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर शिकायत सामने आई है, शिकायतकर्ता कमल गोस्वामी ने मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा मंत्री और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संस्थान की स्थापना राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट नेत्र चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी, इसके लिए मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर की ओर से लगभग 40 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए थे। बावजूद इसके अब तक पीजी और फेलोशिप पाठ्यक्रम शुरू नहीं हो सके तथा एक भी विद्यार्थी को प्रवेश नहीं मिल पाया। ज्ञापन में यह भी दावा किया गया है कि एनएमसी के निर्धारित मानकों के अनुरूप नियुक्तियां नहीं की गईं और बिना आवश्यक पात्रता के फैकल्टी पदोन्नति कर दी गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि संस्थान ने एनएमसी से सीटों की स्वीकृति के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी नहीं की, जिसके कारण एक भी सीट प्राप्त नहीं हुई। वहीं, संबंधित फैकल्टी की पदोन्नति और नियुक्तियों को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि इस संबंध में उच्च न्यायालय में याचिका लंबित है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद संस्थान अपने मूल उद्देश्य पूरे नहीं कर सका।

लालबाग पैलेस, राजवाड़ा और केंद्रीय संग्रहालय में बनेंगे इंटरप्रिटेशन सेंटर

इंदौर। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों लालबाग पैलेस, राजवाड़ा और केंद्रीय संग्रहालय को आधुनिक स्वरूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त प्रयास से इन स्थलों पर इंटरप्रिटेशन सेंटर विकसित किए जाएंगे, जहां पर्यटक डिजिटल तकनीक के माध्यम से इंदौर, मालवा-निमाड़ और प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को करीब से जान सकेंगे। प्रस्तावित योजना के तहत राजवाड़ा में 3-डी इंटरप्रिटेशन सेंटर और डिजिटल लाइट एंड साउंड व्यवस्था स्थापित की जाएगी। वहीं लालबाग पैलेस में होलकर राजवंश और अन्य राजा-महाराजाओं के इतिहास, जीवनशैली तथा उनके उपयोग की वस्तुओं को आधुनिक ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा। केंद्रीय संग्रहालय को भी नई थीम और आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। परियोजना की डीपीआर तैयार की जा चुकी है। इसके अंतर्गत ऐतिहासिक धरोहरों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को इंदौर और प्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी। हाल ही में भोपाल से आए पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने लालबाग पैलेस का निरीक्षण कर विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की। पुरातत्व विभाग के संयुक्त संचालक राहुल सिंह के अनुसार प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप इन धरोहरों को संरक्षित करते हुए उन्हें पर्यटन और सांस्कृतिक दृष्टि से अधिक आकर्षक बनाया जाएगा। इससे शहर की विरासत को नई पहचान मिलने के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सड़कें बनीं, फिर खोदीं, अब भगवान भरोसे! निगम की लापरवाही से फिसल रहे वाहन, घायल हो रहे लोग

- **कृषि कॉलेज से सेंटपॉल स्कूल तक नई सड़क उधेड़ी, महीनों से नहीं हुआ डामरीकरण**
- **श्रद्धानंद मार्ग से जूनी इंदौर रेलवे लाइन तक चार माह से अधूरी पड़ी सड़क बनी मुसीबत**

इंदौर। शहर में विकास कार्यों के नाम पर सड़कों की खुदाई का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालत यह है कि करोड़ों रुपए खर्च कर बनाई गई सड़कें कुछ ही महीनों में दोबारा खोद दी जाती हैं और फिर महीनों तक उनकी मरम्मत नहीं होती। बारिश के मौसम में यही अधूरी सड़कें लोगों के लिए हादसों का कारण बन रही हैं। कमला नेहरू स्कूल तिराहा श्रद्धानंद मार्ग से जूनी इंदौर रेलवे लाइन तक सीवरेज लाइन डालने के बाद सड़क पर केवल गिट्टी और मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है। अप्रैल में शुरू हुआ काम चार महीने बाद भी अधूरा पड़ा है। बारिश में सड़क कीचड़ और फिसलन में बदल गई है। वाहन चालक रोजाना फिसल रहे हैं और कई लोग चोटिल हो चुके हैं। इसी तरह कृषि कॉलेज से सेंटपॉल स्कूल तक की सीमेंटेड सड़क का हाल भी बदतर है। लाखों रुपए की लागत से करीब एक साल पहले बनी सड़क को पानी की पाइप लाइन डालने के लिए बीच से काट दिया गया। पाइप बिछाने के बाद सड़क की मरम्मत तक नहीं की गई। नतीजा यह है कि बारिश के दौरान सड़क पर पानी भर जाता है और कीचड़ फैल जाता है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है। इस मार्ग से रोज बड़ी संख्या में छात्र साइकिल और दोपहिया वाहनों से गुजरते हैं। फिसलन और उखड़ी सड़क के कारण दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निगम को सड़क बनने के बाद ही पानी और सीवरेज लाइन डालने की याद आती है। पहले सड़क बनाई जाती है, फिर उसे खोदकर जनता के पैसों की बर्बादी की जाती है। सवाल यह है कि जब सड़क निर्माण से पहले ही भूमिगत कार्य पूरे किए जा सकते हैं तो बार-बार नई सड़कें क्यों उधेड़ी जा रही हैं? और यदि खुदाई जरूरी है तो महीनों तक मरम्मत क्यों नहीं की जाती? बारिश के बीच शहर की कई सड़कें अधूरी और खतरनाक बनी हुई हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। आखिर कब तक विकास के नाम पर सड़कों की यह दुर्दशा झेलनी पड़ेगी?

रेन वाटर हार्वेस्टिंग वालों को निगम प्रापर्टी टैक्स में देगा 10 फीसदी की छूट

निगम ने रेन हार्वेस्टिंग किया जरुरी नही करने पर जुर्माना तयः

निगम का सख्त संदेश, अब हर बूंद का हिसाब देना होगा

इंदौर। गर्मियों में पानी के लिए हाहाकार और सैकड़ों टैंकरों पर निर्भरता के बाद नगर निगम अब भूजल संरक्षण को लेकर सख्त रुख अपनाने जा रहा है। निगम ने स्पष्ट कहा है कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाइए, नहीं तो रोजाना जुर्माना भरने के लिए तैयार रहिए। नगर निगम ने वर्षा जल सहेजने को अनिवार्य बनाते हुए नोटिस मिलने के बाद भी सिस्टम नहीं लगाने वाले भवन मालिकों पर प्रतिदिन 500 रुपए जुर्माना लगाने का फैसला किया है। यह जुर्माना बढ़कर 5 हजार रुपए तक पहुंच सकता है। दूसरी ओर नियमों का पालन करने वालों को संपत्तिकर में 10 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। असल समस्या यह है कि हर साल बारिश के बाद करोड़ों लीटर पानी नालों में बह जाता है और गर्मी आते ही शहर के बोरवेल जवाब दे देते हैं। इस साल हालात इतने खराब रहे कि निगम को 700 से ज्यादा टैंकर चलाने पड़े। कई इलाकों में लोगों को पानी के लिए प्रदर्शन तक करना पड़ा। अब निगम केवल अपील के भरोसे नहीं है। नगर पालिका निगम वर्षा जल संचयन उपविधियां-2022 के तहत कार्रवाई की जा रही है। शहर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज शाफ्ट, सोक पिट और भूजल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण तेज किया गया है ताकि बारिश का पानी सीधे जमीन में उतारा जा सके। सवाल यह है कि जब हर साल जल संकट सामने आता है तो अब तक हजारों भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम क्यों नहीं लगाए गए? निगम की सख्ती इसी लापरवाही पर चोट है। आने वाले दिनों में निरीक्षण और कार्रवाई का दायरा बढ़ाया जाएगा। अब पानी बचाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि हर भवन मालिक की भी होगी।

नगर निगम इंजीनियरिंग विभाग में वर्षों बाद पदोन्नति, उपयंत्री बने सहायक यंत्री, तीन सहायक यंत्री बने कार्यपालन यंत्री

इंदौर। नगर निगम के इंजीनियरिंग विभाग में वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पूरी हो गई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के कार्यकाल में मेयर-इन-काउंसिल ने विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा और मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के तहत उपयंत्रियों को सहायक यंत्री तथा तीन सहायक यंत्रियों को कार्यपालन यंत्री पद पर पदोन्नति की मंजूरी प्रदान की है। इस निर्णय से लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे अधिकारियों को बड़ी राहत मिली है। पदोन्नति आदेश जारी होने के बाद पदोन्नत अधिकारियों ने नगर निगम सचिवालय पहुंचकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव से सौजन्य भेंट की और उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महापौर ने सभी अधिकारियों को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पदोन्नति केवल अधिकार नहीं, बल्कि शहर के विकास कार्यों को अधिक गति और गुणवत्ता के साथ आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी है। महापौर ने कहा कि योग्य अधिकारियों को समय पर उनका अधिकार मिले, इसके लिए सभी प्रशासनिक और वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी कर पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया गया। उन्होंने विश्वास जताया कि पदोन्नत अधिकारी नई ऊर्जा, पारदर्शिता और कार्यकुशलता के साथ शहर के विकास कार्यों को नई दिशा देंगे। पदोन्नत अधिकारियों ने कहा कि वर्षों से लंबित प्रक्रिया पूरी होने से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे नई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे, जिससे नगर निगम की विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में और तेजी आएगी।

लाइन सुधार के नाम पर घंटों अंधेरा, बिजली कंपनी की मनमानी से जनता परेशान

पेड़ों की कटाई-छंटाई में डैमेज, 4 से 5 घंटे तक बिजली गुल, अफसरों ने नहीं उठाए फोन

इंदौर। शहर में बिजली लाइनों के रखरखाव और पेड़ों की कटाई-छंटाई के नाम पर बिजली कंपनी की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। निर्धारित समय से कहीं अधिक देर तक शटडाउन लेने से हजारों उपभोक्ताओं को घंटों परेशानी झेलना पड़ रही है। हालात यह हैं कि जहां कुछ घंटों में काम पूरा होना था, वहां 4 से 5 घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रही और लोगों को न तो सही जानकारी मिली और न ही अधिकारियों से कोई जवाब। रविवार को कई क्षेत्रों में सुबह से ही बिजली बंद कर दी गई। विभाग की ओर से सीमित समय के शटडाउन की सूचना दी गई थी, लेकिन दोपहर तक बिजली बहाल नहीं हो सकी। इससे घरों, दुकानों और छोटे व्यवसायों का कामकाज प्रभावित हुआ। सबसे ज्यादा नाराजगी इस बात को लेकर रही कि शिकायत करने पर जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी फोन उठाने तक को तैयार नहीं थे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कटाई-छंटाई के दौरान कई जगह पेड़ों को अनावश्यक नुकसान पहुंचाया गया। कुछ स्थानों पर फेंसिंग और अन्य संरचनाएं भी क्षतिग्रस्त हुईं। पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ा। रहवासियों का कहना है कि यदि काम तय समय में पूरा नहीं हो रहा तो विभाग को पहले से स्पष्ट सूचना देनी चाहिए। बिना जवाबदेही के घंटों बिजली बंद रखना और फिर शिकायतों पर मौन साध लेना उपभोक्ताओं के साथ अन्याय है। शहर में लगातार बढ़ रही ऐसी शिकायतों ने बिजली कंपनी की कार्यशैली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हीरानगर पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल, जेल पहुंचते ही आरोपियों ने उतारे पट्टे

वायरल वीडियो की जांच शुरू

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्रवाई एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। मेडिकल दुकान के बाहर हुई मारपीट और तोड़फोड़ के मामले में गिरफ्तार आरोपियों का दो दिन पहले पुलिस ने इलाके में जुलूस निकाला था। इस दौरान आरोपियों के हाथ-पैर पर पट्टियां और प्लास्टर बंधे हुए थे, जिससे उनके घायल होने का आभास हो रहा था। हालांकि, जिला जेल पहुंचने के बाद सामने आए एक वायरल वीडियो ने पूरे घटनाक्रम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में आरोपी जेल गेट पर अपने हाथों और पैरों से पट्टियां खोलकर झाड़ियों में फेंकते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के साथ वायरल हो रहे एक ऑडियो में कथित रूप से पैसों के लेन-देन की चर्चा भी सुनाई दे रही है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि पट्टियां केवल दिखावे के लिए बांधी गई थीं, हालांकि इन आरोपों की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि यह मामला दोपहिया वाहन और कार की मामूली टक्कर के बाद शुरू हुए विवाद से जुड़ा है, जो बाद में मारपीट और कार में तोड़फोड़ तक पहुंच गया था। इस मामले में पुलिस ने शोभित, मयंक, ओम सहित चार आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था। एडिशनल डीसीपी ओमप्रकाश ने कहा कि वायरल वीडियो की सत्यता, समय और परिस्थितियों की जांच कराई जा रही है। जांच में यदि किसी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म, फरार इनामी आरोपी को पकड़ा

इंदौर। नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने फरार इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को जेल भेज दिया गया। चंदननगर पुलिस के मुताबिक पकडे गए आरोपी का नाम आदिल पिता मुनव्वर शेख निवासी केशव नगर है। एसीपी शिवेंद्रु जोशी के मुताबिक घटना 19 जुलाई की है। पुलिस को 16 वर्षीय पीड़िता की मां ने सूचना दी थी कि उसकी नाबालिग बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई है। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया था। टीम ने शहर और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की। इसी दौरान सूचना मिली की आरोपी आदिल उसे बहला फुसलाकर साथ ले गया है। लोकेशन के आधार पर घेराबंदी कर आरोपी को गिर तार कर लिया गया। आरोपी ने बताया कि वह टोस्ट फैक्ट्री में काम करता है। वह नाबालिग को शादी का झांसा देकर ले गया था और घर में रखा था। पुलिस की भनक लगने पर वहां से फरार हो गया और बडवाह,सनावद चला गया था। इसकी गिरफ्तारी पर पुलिस की ओर से इनाम भी घोषित किया था। आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पास्को एक्ट का केस दर्ज कर कोर्ट के समक्ष पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया।

बिजली कंपनी के लाइनमैन अब 62 वर्ष तक देंगे सेवाएं, 1500 कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने लाइनमैन (लाइन परिचारक) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 55 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी है। राज्य शासन के ऊर्जा विभाग से मंजूरी मिलने के बाद कंपनी ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए। यह निर्णय लंबे समय से की जा रही कर्मचारियों की मांग के बाद लिया गया है। कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान के अनुसार आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इसके तहत कंपनी के 15 जिलों में कार्यरत करीब 1500 लाइनमैनों को लाभ मिलेगा। अब ये कर्मचारी 62 वर्ष की आयु तक अपनी सेवाएं दे सकेंगे। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के कर्मचारियों की तरह ही बिजली वितरण कंपनियों के लाइन कार्मिक भी लंबे समय से सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने की मांग कर रहे थे। नए फैसले से अनुभवी कर्मचारियों की सेवाएं अधिक समय तक उपलब्ध रहेंगी और कर्मचारियों में संतोष का माहौल बनेगा।

सूने घर से लाखों के जेवर और नकदी ले भागे चोर

इंदौर। चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए वहां से लाखों के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। जब परिजन घर लौटे तो ताले टूटे मिले। मामले में लसूड़िया थाने में केस दर्ज कराया गया है। सिल्वर पार्क, बाल्याखेड़ा निवासी अधिवक्ता सौरभ पाटोदिया ने बताया कि वह 23 जुलाई की शाम वह परिवार के साथ उद्यापन कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। 26 जुलाई को लौटते समय शिप्रा क्षेत्र में उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसके चलते उन्हें देवास में रुकना पड़ा। अगले दिन जब वह घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे के ताले टूटे होकर सामान अस्त-व्यस्त मिला। चोरों ने टीवी, शोकेस, मंदिर, फर्नीचर और लाइटों में भी तोड़फोड़ की। इसके बाद अलामारी से सोने की चार चूड़ियां, एक सोने का पेंडेंट, एक सोने की अंगूठी, नाक के तीन सोने के कांटे, पूजा में उपयोग होने वाले सोने-चांदी के चार सिक्के, चांदी की चार अंगूठियां, चार जोड़ी पायजेब, नकदी और जमीन के अनुबंध से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज ले गए। यह सारे जेवर उनकी मां के थे, जिनकी कीमत 8 लाख रुपए है।

दैनिक सद्भावना पाती
भोपाल, मंगलवार 28 जुलाई,2026

रक्षा संवाद

हॉर्मुज जलडमरूमध्य में अमरीकी नौसैनिक घेराबंदी का नया अध्याय

डॉ राजेश जौहरी
दैनिक सदभावना पाती

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक घेराबंदी को और सख्त करने की पुष्टि की है। राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश पर 14 जुलाई से पुनः लागू हुई यह व्यवस्था अब पूर्ण रूप से सक्रिय है। सेंटकॉम के अनुसार, अब तक एक दर्जन वाणिज्यिक जहाजों को दिशा बदलने को मजबूर किया गया है। मोजाम्बिक देश के झंडे वाले टैंकर एमटी लाविन को 24 जुलाई को ओमान की खाड़ी में अक्षम कर दिया गया, क्योंकि उसने चेतावनियों की अनदेखी कर घेराबंदी तोड़ने के कई प्रयास किए। कॉमोरोस देश के झंडे वाले एमटी चार्मिनार सहित दो अन्य जहाजों पर सत्यापन के लिए हेलीकाप्टर से लैंडिंग की गई। ईरान का इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) भी सक्रिय है। उसने हॉर्मुज जलडमरूमध्य में अपने निर्धारित मार्ग का पालन न करने वाले छह जहाजों पर चेतावनी गोलीबारी की। आईआरजीसी का दावा है कि जलडमरूमध्य पर उसका पूर्ण नियंत्रण है और कुछ दिनों में यातायात लगभग शून्य रह गया। दोनों पक्ष उच्च सतर्कता पर हैं। इस टकराव ने शिपिंग बीमा प्रीमियम में भारी वृद्धि कर दी है तथा कच्चे तेल की कीमतें 96-98 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी हुई हैं। ओमान की मध्यस्थता में वार्ता जारी है, पर समुद्री क्षेत्र में तनाव कम नहीं हुआ है।

रणनीतिक दृष्टि से यह घेराबंदी ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा को रेखांकित करती है। हॉर्मुज विश्व के लगभग पांचवें हिस्से के तेल परिवहन का मार्ग है। किसी भी अनियंत्रित घटना से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका अपनी नौसैनिक क्षमता से दबाव बनाए हुए है, जबकि ईरान जलडमरूमध्य को रणनीतिक दबाव का साधन बना रहा है। दोनों पक्षों को संयम बरतना होगा, अन्यथा क्षेत्रीय स्थिरता और आगे प्रभावित हो सकती है।

सूखे की मार पर जल संरक्षण का प्रहारः ऐसे करें पानी की सही बचत

विगत लम्बे समय से प्रदेश में पर्याप्त वर्षा नहीं हुई है, इसलिए किसानों की खरीफ फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. इन परिस्थितियों में उपलब्ध संसाधनों से ही हमें फसल की उचित देखभाल करनी होगी. हमारा पहला लक्ष्य यह होना चाहिए कि भूमि में उपलब्ध नमी को लम्बे समय तक संरक्षित किया जाए. इसकी तैयारी तो वैसे फसल लगाते समय ही की जानी चाहिए थी क्योंकि एल-नीनो और कमजोर मानसून की संभावना का पूर्वानुमान हमारे पास उपलब्ध था. लेकिन अब आज की परिस्थितियों में जो किया जा सकता है हमें उस पर ही विचार करना चाहिए.

भूमि में उपलब्ध नमी के संरक्षण के लिए मल्चिंग बेहतर विकल्प होगा. मल्चिंग जैविक संसाधनों या प्लास्टिक की मदद से की जा सकती है. फसलों में मल्चिंग का अर्थ है कि मिट्टी की नमी और तापमान को नियंत्रित रखने के लिए प्राकृतिक या कृत्रिम संसाधनों से ढंकना. जैविक या प्राकृतिक मल्च पुआल, सूखी घास, पत्तियों, फसलों के अवशेष, लकड़ी के बुरादे या टुकड़े से तैयार की जाती है.

यह धीरे-धीरे सड़कर मिट्टी को प्राकृतिक खाद और ह्यूमस भी प्रदान करती है. इससे भूमि की जलधारण क्षमता बढ़ती है. प्लास्टिक मल्च में विशेष प्लास्टिक सीट या मल्च पेपर का उपयोग किया जाता है. ये खरपतवार रोकने और नमी संरक्षण में सबसे प्रभावी होती हैं. प्लास्टिक मल्च सिल्वर-ब्लैक या ब्लैक-ब्लैक प्रकार की होती हैं. सिल्वर-ब्लैक मल्च में सिल्वर भाग ऊपर की तरफ रखा जाता है जिससे सूर्य की रोशनी परावर्तित होती है और कीट-व्याधि दूर रहते हैं. काली सतह नीचे की तरफ रहती है और खरपतवारों को नहीं पनपने देती है. ब्लैक-ब्लैक मल्च दोनों तरफ से काली होती है जो खरपतवारों को पूरी तरह से रोकती है और मिट्टी के तापमान को नियंत्रित करती है. हल्का डोरा या कोल्पा या कुदाली चलाकर मिट्टी की हल्की गुड़ाई होती है और भूमि की नमी लंबे समय तक सुरक्षित रहती है.

मिट्टी में कम्पोस्ट, गोबर की खाद या केंचुआ खाद मिलाने से भूमि की जलधारण क्षमता बढ़ती है. नमी संरक्षण हेतु वाष्पीकरण को कम करना, पानी के अपव्यय को रोकना चाहिए. पौधों में नमी संरक्षण के लिए वाष्पीकरण को रोकना अनिवार्य होता है. इसके लिए वाष्पीकरणरोधी के छिड़काव की आवश्यकता होती है. पानी की अत्यधिक हानि को रोकने के लिए पर्णसमूह पर केओलिन या क्ले या एब्सिसिक एसिड जैसे रसायनों का छिड़काव करें. यह पत्तियों के रन्ध्रों को आंशिक रूप से बंद कर देता है जिससे वाष्पीकरण कम होता है.

खरपतवार भूमि से पौषक तत्वों और पानी को खींच लेते हैं अतः इनका समुचित प्रबंधन आवश्यक होता है. फसलों को बचाने के लिए अंतिम विकल्प जीवनदायी सिंचाई होता है. इसके लिए टपक सिंचाई और फव्वारा सिंचाई का उपयोग बेहतर होता है.

महापौर ने निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का किया निरीक्षण, 15 अगस्त तक एक लेन शुरू करने के निर्देश

इंदौर। महापौर ने सोमवार को किला मैदान तिराहा से जिंसी चौराहा होते हुए नेमिनाथ चौराहा तक निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को किला मैदान तिराहा से जिंसी चौराहा तक सड़क की एक लेन 15 अगस्त तक हर हाल में चालू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर ने कहा कि निगम द्वारा सड़क निर्माण कार्य तेज गति से कराया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने और गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। महापौर ने निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के रहवासियों से भी संवाद किया और उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि सड़क निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर आवागमन को सुगम बनाया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर यातायात सुविधा मिल सके। निगम अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्य निर्धारित योजना के अनुसार तेजी से आगे बढ़ रहा है और समय पर इसे पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

त्योहार से पहले मिलावट पर सख्तीः सुदामा नगर में 7.46 लाख का संदिग्ध घी जब्त, बिना लाइसेंस संचालित गोदाम सील

इंदौर। त्योहारों के मद्देनज़र खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को विभाग की टीम ने सुदामा नगर, पोलोग्राउंड और तलावली चंदा क्षेत्र में एक साथ कार्रवाई करते हुए 26 खाद्य नमूने जांच के लिए संग्रहित किए तथा 2,000 किलो से अधिक संदिग्ध घी जब्त किया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत चलाए जा रहे अभियान के दौरान टीम सबसे पहले सुदामा नगर स्थित 34-बी, ऋषि पैलेस (द्वारकापुरी के पीछे) पहुंची। यहां मेसर्स श्री इंटरप्राइजेज के नाम से घी का कारोबार संचालित हो रहा था। निरीक्षण में प्रोपराइटर उर्मिला श्रीवास्तव एवं संचालक जितेंद्र श्रीवास्तव (38) के पास वैध फूड लाइसेंस नहीं मिला। इस पर विभाग ने प्रतिष्ठान को तत्काल सील कर दिया। गोदाम से 'गौ अमृत', 'मिस्टी' और 'शाश्वत' ब्रांड का कुल 1,115.4 लीटर/किलोग्राम संदिग्ध घी बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत ?7,46,659 है। मौके से 100 मिलीलीटर, 200 मिलीलीटर, 500 मिलीलीटर, 1 लीटर और 15 किलो टिन पैकिंग सहित कुल 8 नमूने जांच के लिए लिए गए। जब्त घी को अग्रिम आदेश तक अभिरक्षा में रखा गया है। इसके बाद टीम ने पोलोग्राउंड स्थित किशनलाल मायाराम प्रा. लि. से दूध, मावा, पनीर, घी, मिल्क केक और दूध कतली के 6 नमूने, जबकि सतगुरु मिल्क प्रोडक्ट से दूध और पनीर के 2 नमूने लिए। अभियान के तीसरे चरण में तलावली चंदा स्थित एक गोदाम पर कार्रवाई कर 12 नमूने संग्रहित किए गए तथा करीब 1,200 किलो संदिग्ध घी जब्त किया गया। इस तरह पूरे अभियान में 26 नमूने राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार लैब रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ न्यायालय में प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर जिला कोर्ट में पकड़ाया फर्जी वकील

इंदौर। इंदौर जिला कोर्ट परिसर में बार एसोसिएशन द्वारा चलाए गए औचक निरीक्षण के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया है, जिस पर फर्जी वकील बनकर घूमने का संदेह व्यक्त किया जा रहा है, जिसके बाद बार सदस्यों ने युवक की जांच के लिए उसे एम जी रोड पुलिस के हवाले किया है। दरअसल नवनिर्वाचित इंदौर अभिभाषक संघ के अध्यक्ष राकेश पाल और अन्य कार्यकारिणी सदस्य कोर्ट में जूनियर वकीलों की जांच पड़ताल कर रहे थे जहां उन्हें एक युवक पर संदेह हुआ जिसने अपना नाम धर्मेंद्र राठौर बताया, जो कोर्ट रूम 44 में खड़ा था। मीडिया को जानकारी देते हुए जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष राकेश पाल ने बताया कि बार एसोसिएशन द्वारा कोर्ट परिसर में नियमित निरीक्षण किया जा रहा था। इसी दौरान कोर्ट रूम नंबर 44 के पास धर्मेंद्र राठौर नामक एक व्यक्ति मिला। पूछताछ करने पर वह अपनी पहचान से जुड़े संतोषजनक डॉक्यूमेंट पेश नहीं कर पाया। कार्यकारिणी के लोगों की पूछताछ में उसने दावा किया कि वह मुंशी का काम करता है तथा किसी वरिष्ठ वकील के साथ जुड़ा हुआ है। हालांकि, वह इस संबंध में भी कोई आधिकारिक कागजात नहीं दिखा सका। संघ के अध्यक्ष ने बताया कि बार एसोसिएशन के नियमों के अनुसार केवल अधिकृत वकीलों को ही निर्धारित ड्रेस कोड में रहने की अनुमति है, जबकि लॉ स्टूडेंट्स के लिए अलग नियम तय हैं। इस मामले में धर्मेंद के पास दस्तावेज न मिलने पर बार एसोसिएशन ने धर्मेंद्र राठौर को एमजी रोड पुलिस थाने के सुपुर्द कर दिया है। उसका मोबाइल फोन भी पुलिस को सौंप दिया गया है। वहीं अभिभाषक संघ ने पुलिस से लिखित आवेदन देकर मांग की है कि मामले की गहनता से जांच की जाए कि वह व्यक्ति वास्तव में कोई लॉ स्टूडेंट है, वकील है या फर्जी तरीके से कोर्ट परिसर में सक्रिय था। पुलिस फिलहाल उसके दस्तावेजों और मोबाइल डाटा के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

दहेज के लिए सताया, घर से निकाला

इंदौर। एक महिला ने अपने ससुराल वालों पर दहेज के लिए सताने और घर से निकालने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। महिला थाने में रानी जाधव निवासी महालक्ष्मीनगर की रिपोर्ट पर सौरभ जाधव, मीना जाधव, प्रदीप जाधव और पूनम जाधव के खिलाफ दहेज के लिए सताने का केस दर्ज किया है। फरियादी को घर से निकाल दिया और जान से मारने की धमकी दी। शादी के बाद से ही उसे सताया जा रहा था और कहा जा रहा था कि कम दहेज क्यों लाई। पिछले कुछ दिनों से उसे ज्यादा तंग किया जा रहा था। परेशान होकर उसने पुलिस की शरण ली।

चेकिंग में पकड़ाया देवास का तस्कर,6 लाख की चरस बरामद

इंदौर। तेजाजी नगर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान देवास के तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से चरस बरामद की है जिसकी कीमत करीब 6 लाख रूपए बताई जा रही है। आरोपी को रिमांड पर लेकर तस्करी के संबंध में पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी देवेंद्र मरकाम ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान बायपास सर्विस रोड पर एक संदिग्ध मोटरसायकल के पास खड़ा नजर आया। पुलिस को देखकर वह भागने लगा। इस पर घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम नफीस उर्फ ब 'ावा पिता हाजी गुलाम जकरिया शेख निवासी देवास बताया। उसके पास से 502 ग्राम चरस बरामद हुई।आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पूछताछ ने बताया कि नशे की लत के कारण देवास से चरस एंव गांजा लाता है। साथ ही इंदौर में इसकी सप्लाय भी करता है। आरोपी पर पूर्व में भी देवास थाने पर कई प्रकरण दर्ज हैं।

तेज रफ्तार कार आरआर कैट में घुसी, इलेक्ट्रानिक बूम बैरियर क्षतिग्रस्त

इंदौर। राजेंद्र नगर क्षेत्र में तेज रफ्तार से जा रही एक अनियंत्रित कार आरआर केट में जा घुसी। हादसे में कैट का इलेक्ट्रानिक बूम बैरियर क्षतिग्रस्त हो गया। सुरक्षाकर्मियों ने कार चालक को पकड़ा और पुलिस को सौंप दिया। थाना राजेंद्र नगर पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार कार चालक का नाम सारिम मंसूरी पिता जफर मंसूरी निवासी ग्रीन पार्क कालोनी है। पुलिस ने आरआर कैट के वसंत कुमार पिता श्यामसिंह कुमरे की र पोर्ट पर कार क्रमांक एमपी 09सीएस 8622 के आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

शराब के लिए युवक पर हमला करने वालों का पुलिस ने निकाला जुलूस

इंदौर। शराब के लिए पैसे नहीं देने पर दो युवकों पर चाकू से हमला करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इनमें एक नाबालिग है। दो का पुलिस ने जुलूस निकाला। शनिवार की रात को गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र से बाइक पर गुजर रहे सचिन चौधरी और उसके दोस्त ने स्कूटी पर सवार तीन युवकों से पता पूछा। इस दौरान युवकों ने उनको धमकाया और शराब के लि ए पैसे मांगे। नहीं देने पर चाकू मार दिया और भाग गए। मामले की रिपोर्ट छत्रीपुरा थाने में दर्ज करवाई गई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर सीसीटीवी की मदद से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके नाम पीयूष योगी निवासी लोकनायक नगर, आयुष उर्फ भोला तंवर निवासी हरिओम नगर और तीसरा नाबालिग है। पुलिस ने दोनों आरोपियों का वहीं जुलूस निकाला,जहां उन्होंने चाकूबाजी की थी। अब पुलिस उनके आपराधिक रिकार्ड की भी जांच कर रही है। एक का पुराना आपराधिक रिकार्ड होने की बात सामने आई है।

सीएम हेल्पलाइन और राजस्व प्रकरणों की समीक्षा: कलेक्टर शिवम वर्मा के सख्त निर्देश, अवैध कॉलोनियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में रविवार को कलेक्टर कार्यालय में सीएम हेल्पलाइन एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में भूमि एवं राजस्व प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बताया कि कुछ दिन पूर्व सिविल लाइन क्षेत्र में राजस्व कार्यों में लापरवाही सामने आई थी, जिसके चलते संबंधित डीटीएल को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व विभाग द्वारा अब हल्का स्तर पर ही नामांतरण, बंटांकन और सीमांकन जैसे प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है, ताकि आवेदकों को तहसील या कलेक्टर कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने निर्देश दिए कि सिविल लाइन सहित सभी लंबित राजस्व प्रकरणों का मौके पर पहुंचकर समय-सीमा में निराकरण किया जाए। बैठक में अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर भी सख्त रुख अपनाते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि हल्का स्तर पर राजस्व कार्य शुरू होने से सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं और इससे आम नागरिकों को राहत मिलने के साथ प्रकरणों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण संभव हो रहा है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रकरणों की प्रगति की जानकारी भी प्रस्तुत की।

महिला ने लगाई फांसी, ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना का आरोप

इंदौर। एक महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई को लेकर मृतका के परिजनों ने सोमवार को विनोबा नगर मुख्य मार्ग पर दो घंटे तक चक्काजाम किया। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद महिला का अंतिम संस्कार किया गया। मृतका का नाम दुर्गेश्वरी(23) पति आशीष निवासी आष्टा है। मृतका के भाई बंटी चावरिया ने बताया कि बहन की शादी तीन साल पहले हुई थी। शादी में परिजनों ने हैसियत अनुसार दहेज दिया था। शादी के कुछ दिन तक सब ठीक रहा। इसके बाद ससुराल पक्ष के लोग मेरी बहन पर दहेज को लेकर दबाव बनाने लगे। कई बार दहेज कम लाने की बात पर मारपीट भी करते थे। बहन मारपीट की शिकायत मायके पक्ष से करती थी। इस पर कुछ दिन पहले मायके वाले भी आष्टा गए और वहां ससुराल पक्ष को समझाइश दी थी। बंटी के अनुसार, रविवार शाम 6 बजे बहन के पड़ोसी ने कॉल कर मौत होने की जानकारी दी।जानकारी लगते ही परिवार के लोग आष्टा पहुंचे तो बहन जिला अस्पताल में मृत अवस्था में मिली। वहां पुलिस ने किसी प्रकार का केस दर्ज नहीं किया। यह कहकर रवाना कर दिया कि मर्ग कायम किया है, जांच के बाद आागे की कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर में पानी बना मौत का जाल, लोधिया कुंड और चोरल डैम में दो युवकों की डूबने से मौत

इंदौर। इंदौर में पानी में डूबने की दो अलग-अलग दर्दनाक घटनाओं ने सभी को झकझोर दिया है। लोधिया कुंड और चोरल डैम में नहाने के दौरान दो युवकों की जान चली गई। इन हादसों के बाद पुलिस ने लोगों से असुरक्षित और प्रतिबंधित जलाशयों में जाने से बचने की अपील की है। दरअसल पहली घटना लोधिया कुंड की है, जहां 17 वर्षीय उदयवीर चौहान अपने पांच दोस्तों के साथ घूमने निकला था। सभी लोधिया कुंड पहुंच गए, जहां उदयवीर और उसका साथी आदित्य गहरे पानी में उतर गए। साथी एक युवक को बचाने में सफल रहे, लेकिन उदयवीर की डूबने से मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना चोरल डैम की है, जहां करीब 15 वर्षीय ताहिर अपने परिवार के साथ घूमने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। लगातार सामने आ रहे ऐसे हादसों के बाद पुलिस ने लोगों से अपील की है कि चोरल डैम, लोधिया कुंड और अन्य असुरक्षित जलाशयों को पिकनिक या नहाने की जगह न समझें। पुलिस सोशल मीडिया, जागरूकता अभियान और चेतावनी बोर्डों के माध्यम से लगातार लोगों को सतर्क कर रही है। पुलिस ने खासकर युवाओं और अभिभावकों से अपील की है कि थोड़ी सी लापरवाही जिंदगी पर भारी पड़ सकती है, इसलिए सुरक्षा नियमों का पालन करें और जोखिम भरे स्थानों से दूर रहें।

गौसम्मान आह्वान के तहत पीएम और राष्ट्रपति के नाम कलेक्ट्रेट पर दिया ज्ञापन

इंदौर। गौ संरक्षण, गौ मंत्रालय के गठन और गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर रविवार को साधु-संतों, समाजसेवियों और बड़ी संख्या में गौ भक्तों ने प्रकाश आश्रम से इंदौर कलेक्टर कार्यालय तक पदयात्रा निकाली। कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री योगेंद्र महंत और पूर्व पार्षद राजेश कटारिया ने बताया कि गौ सम्मान को लेकर चल रहे आंदोलन का यह दूसरा चरण है। उन्होंने कहा कि इंदौर कलेक्टर कार्यालय पर बड़ी संख्या में गौ भक्त एकत्रित हुए और एसडीएम घनश्याम धनगर को ज्ञापन सौंपकर गौ रक्षा के लिए अलग गौ मंत्रालय के गठन तथा गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आगामी समय में इससे भी बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन शिकायत के बहाने महिला से दुष्कर्म का आरोप, हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र की एक महिला की शिकायत पर उसी थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल अचल तिवारी के खिलाफ दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। पीड़िता के अनुसार, उसने अपनी एक समस्या को लेकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के निराकरण के लिए हेड कांस्टेबल अचल तिवारी ने उसे थाने बुलाया। महिला का आरोप है कि इसी दौरान दोनों के बीच परिचय हुआ, जिसके बाद हेड कांस्टेबल उसे अलग-अलग स्थानों पर बुलाकर बार-बार शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करता रहा। लगातार उत्पीड़न के कारण वह मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान हो गई। अंततः उसने पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने हेड कांस्टेबल अचल तिवारी के खिलाफ दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

बायपास के ढाबों पर आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, बिना लाइसेंस शराब परोसने पर 23 प्रकरण दर्ज

इंदौर। आबकारी विभाग ने शहर और बायपास क्षेत्र के विभिन्न ढाबों पर विशेष सघन जांच एवं प्रवर्तन अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान बिना वैध लाइसेंस शराब परोसने और सार्वजनिक स्थानों पर मदिरापान करने के मामलों में 23 प्रकरण दर्ज कर 23 व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान आबकारी टीम ने कई ढाबों का निरीक्षण किया, जहां बिना लाइसेंस शराब परोसने और नियमों का उल्लंघन करने के मामले सामने आए। विभाग ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए।कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि बायपास क्षेत्र के कई ढाबों की शिकायतें मिल रही थीं कि वहां अवैध रूप से शराब परोसी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नेमा कुल्फी फिर विवादों में, वायरल वीडियो में कुल्फी में मच्छर मिलने का दावा

इंदौर। शहर की प्रसिद्ध नेमा कुल्फी एक बार फिर विवादों में आ गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कुल्फी के अंदर मच्छर मिलने का दावा किया गया है। इंस्टाग्राम पर 'Fit Girl Dishu Sharma' नाम के यूजर अकाउंट से साझा किए गए वीडियो में एक युवती ने आरोप लगाया कि नेमा कुल्फी से खरीदी गई कुल्फी के भीतर उन्हें मच्छर मिला। वीडियो में युवती ने यह भी दावा किया कि इससे पहले भी इसी ब्रांड की कुल्फी में उन्हें एक कीड़ा मिला था। उनका कहना है कि पहली घटना के बावजूद उन्होंने दोबारा नेमा कुल्फी खरीदी, लेकिन फिर से ऐसी शिकायत सामने आने से वे हैरान हैं। फिलहाल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और नेमा कुल्फी की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

राऊ पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर वाहन चोर, चोरी की 4 मोटरसाइकिलें बरामद

इंदौर। शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत राऊ थाना पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब ?4.50 लाख कीमत की चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान वाहन चेकिंग के समय बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर संदिग्ध रूप से घूम रहे युवक को रोककर पूछताछ की गई। जांच में बाइक थाना राऊ के वाहन चोरी प्रकरण की निकली। आरोपी की पहचान महेश निवासी ग्राम उमरिया झोबरा कॉलोनी, थाना किशनगंज, जिला इंदौर के रूप में हुई। पूछताछ में उसने राऊ क्षेत्र के अलावा भंवरकुआं और सराफा थाना क्षेत्रों से भी तीन अन्य मोटरसाइकिलें चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक बजाज फ्रीडम सहित कुल चार चोरी की मोटरसाइकिलें जब्त कर ली हैं। आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

मिनी ट्रक ने ली बाइक सवार की जान

इंदौर। देवास रोड पर तेज र तार मिनी ट्रक के चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल बाइक सवार युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। क्षिप्रा पुलिस के मुताबिक हादसा बाबा ढाबा के पास हुआ। मृतक का नाम अर्जुन पिता रामेश्वर राठौर (31) निवासी सागौर जिला धार है। पुलिस ने मिनी ट्रक (डीएल 01 एलपी 2808) के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस के अनुसार घटना दिनांक को युवक बाइक पर सवार होकर इंदौर-देवास रोड पर जा रहा था। मांगलिया में बाबा ढाबे के पास उसे आरोपी वाहन चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसे मुंह और सिर में गंभीर चोट आई। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया था।

AI investments to drive global IT spending to $6.37 trillion: Report

New Delhi : Worldwide information technology (IT) spending is projected to reach $6.37 trillion in 2026, a 14.2 per cent increase from 2025, as investments in artificial intelligence (AI) infrastructure, cloud platforms and intelligent applications continue to accelerate, according to a report released on Monday. Spending on data centre systems and Infrastructure as a Service (IaaS) will record the fastest growth, reflecting rising demand for AI infrastructure and high-performance computing, as per analysis of Gartner, Inc.

According to the forecast, spending on data centre systems is expected to surge 62.5 per cent to $822 billion in 2026 from $506 billion in 2025. IaaS spending is projected to grow 29.3 per cent to $287 billion, while software spending is expected to rise 15.5 per cent to $1.47 trillion. While device spending is forecast to increase nearly 10 per cent to $868 billion, services spending is expected to grow about 5 per cent to $1.57 trillion and communications services spending is projected to rise 4.4 per cent to $1.35 trillion. "Building the compute capacity required for AI is the largest infrastructure project ever attempted by humanity.

Driven by the expansion of AI workloads and demand for high-performance computing, hyperscalers and enterprises are rapidly scaling next-generation data centre capacity," said John-David Lovelock, Distinguished VP Analyst at Gartner.

Despite the strong outlook, the report cautioned that technology budgets remain under pressure from inflation, semiconductor and memory supply constraints, rising hardware costs and shifting enterprise priorities. It further noted that its latest forecast reflects increased confidence in AI-led market expansion, with incremental IT spending increasingly concentrated in AI-related infrastructure, cloud services and software, while traditional technology segments are expected to witness comparatively modest growth. Moreover, organisations are accelerating investments in AI-optimised servers, cloud platforms and AI-ready software as they scale enterprise AI deployments, making AI infrastructure and software the fastest-growing areas of global IT spending the report said.

'Corporate Mitras' to empower MSMEs in smaller cities

New Delhi : The government has said that 'Corporate Mitras' are envisaged to provide accessible, affordable, and quality compliance and business support services to Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs), while creating a pool of trained para-professionals by equipping young graduates with industry-relevant knowledge and practical skills. Towards this, the Indian Institute of Corporate Affairs (IICA), Shillong, under the Ministry

of Corporate Affairs, organised a webinar for awareness and sensitisation of the Corporate Mitra Scheme among the youth, students, MSMEs, professionals and enterprises of Arunachal Pradesh. According to an official statement, the scheme aims to empower MSMEs, primarily in the tier 2 and 3 cities, by supporting them in playing their part in the larger vision of a Viksit Bharat at 2047. The initiative is expected to strengthen the MSME ecosystem and enhance employment opportunities, particularly across the North Eastern Region. The accredited 'Corporate Mitras' are expected to provide affordable and accessible professional assistance to the local enterprises, for the non-core aspects of their business operation - regulatory, compliance, financial, taxation, accounting, and governance-related needs - thereby ensuring that MSMEs can focus on innovation, expansion and growth, while meeting regulatory requirements with ease. The scheme implementation is planned with an initial pan India target of 2000 participants, including 200 exclusively from the North East Region (NER), with a 50 per cent fee concession being available for the NER candidates, said the statement. For the scheme's rollout and implementation for the Northeast region, IICA Shillong has been designated as the nodal agency for coordination and liaison with state governments and other stakeholders. The scheme embodies the vision of a formalised, financially sustainable, and a thriving MSME sector by creating a strong support ecosystem for the MSMEs, through facilitating access to a pool of qualified, accredited and trusted para professionals "Corporate Mitras".

Global crude oil prices plunge up to 7 pc as US-Iran pause strikes

New Delhi : Global crude oil prices witnessed heavy selling pressure on Monday, with key oil benchmarks plunging up to 7 per cent after the United States and Iran paused military strikes over the weekend. International benchmark Brent crude fell more than 7 per cent or about $7 to hover around the $91-a-barrel mark. On the other hand, US West Texas Intermediate (WTI) crude also declined over 7 per cent, shedding around $6.4 to trade below $85 a barrel. The sharp decline came after Iran indicated it would refrain from further attacks as long as the US also halted military operations, fuelling expectations that the conflict could move towards a diplomatic resolution. The latest correction follows a sharp rally in oil prices over the past three weeks, during which Brent briefly crossed the $100-a-barrel mark amid fears that the conflict would disrupt crude supplies through the Strait of Hormuz and the Bab el-Mandeb Strait -- two of the world's most critical energy shipping routes. According to market experts, attacks claimed by Iran-backed Houthi forces on Saudi Aramco facilities at the Red Sea ports of Jizan and Yanbu underscore that geopolitical risks remain elevated. Despite Monday's sharp correction, experts pointed out that crude oil prices are still nearly 40 per cent higher this month as supply disruptions spread from the Strait of Hormuz to the Red Sea, a vital route for Saudi oil exports, they said.

They also cautioned that supply chain risks have not completely disappeared, with shipping through the Strait of Hormuz yet to return to normal. Moreover, the Indian rupee appreciated 41 paise at opening on Monday -- its biggest gain in almost two months -- to open at 96.15 against the US dollar, compared with the previous close of 96.56.

FCNR (B) deposits may have surpassed 2013 level of $26 billion in just 45 days: SBI report

New Delhi : India may receive FCNR (B) deposits in the range of $65-70 billion by the end of the RBI scheme on September 30, and overall $80-$85 billion, an SBI Research report said on Monday. The RBI figure of $20 billion inflows (till July 17) came as a positive reprieve, chiefly with a smart FCNR (B) corpus of $17.4 billion. "We now estimate that FCNR (B) since then has already crossed 2013 level of $26 billion in just 45 days," said Dr. Soumya Kanti Ghosh, Group Chief Economic Adviser, SBI. The RBI data indicates that FCNR (B) deposits worth $17.4 billion have been mobilised till July 17, 2026 and trend suggests that PSBs are major drivers of this mobilisation. "We also believe that significant majority of existing FCNR deposits which are going to mature in August/September 2026 will be renewed under the new scheme (gravitated by higher interest rates) and will boost the FCNR (B) inflows," the report mentioned. Preliminary estimate indicate that amount worth $10 billion on a conservative basis in addition to base line estimates are going to be

mobilised mostly through those economies where tax concessions are available.

"Nevertheless, given the current trend we believe that total amount mobilised so far in 45 days has easily crossed the total amount mobilised in 2013 in three months," the report noted. However, broader markets are still wrestling with the co-relation of these flows with first FCA position and why the exchange rate has continued to weaken even after such strong capital inflows. Public Sector Banks, front led by larger banks, are apparently anchoring the drive, ensuring incremental flows by leveraging not only the deposits, but also the trust built with materially significant clientele (credit worthiness and risk profile duly factored) spread across various geographies and remaining tacitly agile by shifting their strategy to an optimally blended Onshore-Offshore game plan. The RBI intervention in the foreign exchange market has been somehow sporadic and not full throttled ever since the disturbances in West Asia has broken out. "Rupee has moved 360 degrees; from being a shock absorber to not being a shock absorber. It is therefore important to not let the Rupee travel 360 degrees again but ensure its implied resilience to checkmate exogenous shocks without losing competitiveness," the report said. This is important given frictions in trade and supply/value chains, geopolitical risks and skewed capital flows.

'पेपर लीक माफियाओं को संरक्षण और छात्रों को जेल क्यों?' — NEYU ने सरकार से पूछा सवाल

इंदौर। नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन ने पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था को लेकर मध्यप्रदेश सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि देशभर में पेपर लीक और शिक्षा सुधार को लेकर हुए छात्र आंदोलनों के दौरान केंद्र सरकार ने आंदोलनकारी छात्रों से संवाद किया और उनकी मांगों पर विचार किया, जबकि मध्यप्रदेश सरकार छात्र आंदोलनों को पुलिस बल के जरिए दबाने का प्रयास कर रही है। संगठन ने बताया कि 23 जुलाई को इंदौर में एनईवाईयू से जुड़े छह छात्र नेताओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, जिन्हें 26 जुलाई को रिहा किया गया। प्रेसवार्ता में संगठन ने सवाल उठाया कि क्या पेपर लीक के खिलाफ आवाज उठाना अपराध है? क्या भर्ती घोटालों की निष्पक्ष जांच की मांग करना गलत है? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक माफियाओं पर कार्रवाई करने के बजाय छात्र नेताओं का दमन कर रही है। एनईवाईयू ने कहा कि शिक्षा सुधार को लेकर देशभर में व्यापक चर्चा हुई है। केंद्र सरकार ने परीक्षा सुधारों के लिए समिति गठित करने और कानून बनाने की बात कही है, जबकि मध्यप्रदेश सरकार केवल फास्ट ट्रैक कोर्ट की घोषणा तक सीमित दिखाई देती है। संगठन ने मांग की कि पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा छात्रों की लोकतांत्रिक आवाज का सम्मान किया जाए।

Nvidia eyes $250 billion financing guarantee for OpenAI's mega data centre: Report

New Delhi : US-based multinational technology company Nvidia is in talks to provide around $250 billion in financing guarantees to OpenAI as part of a massive artificial intelligence (AI) data centre project in the US, according to a report. As per report published in The Wall Street Journal, the proposed backing would help the ChatGPT maker lease a 10-gigawatt data centre campus being developed by SoftBank's energy subsidiary in southern Ohio. It further showed that the project is expected to cost more than $500 billion in total, including the Nvidia chips that will power the facility. The proposed $250 billion guarantee would cover the data centre lease and debt

financing but would not include the cost of the chips. Nvidia is also reportedly discussing financing OpenAI's chip purchases worth up to $350 billion. For OpenAI, the deal would mark a significant step towards building and controlling its own AI infrastructure instead of relying on cloud providers such as Microsoft, Amazon and Oracle. For Nvidia, the arrangement would help secure long-term demand for its AI chips, which are widely used to train and run advanced AI models. The financing support is expected to strengthen investment vehicles designed to reassure lenders about the project's funding, the report added. The first phase of the Ohio facility is expected to be completed by 2028 with about 800 megawatts of power capacity, it said. The report also highlighted that power for the project is controlled by the US government and funded separately by Japan under a recent trade agreement linked to Tokyo's commitment to invest $33 billion in a natural gas plant. Earlier this month, South Korean conglomerates and global technology companies, including Nvidia, agreed to explore a series of collaboration projects with a combined value of about $950 billion, according to a senior South Korean presidential official. Among the proposed initiatives is a long-term agreement under which SK Group will supply around $750 billion worth of high-performance semiconductors to global technology firms, including Nvidia, presidential chief of staff for policy Kim Yong-beom said during a media briefing. The understanding was reached at a high-level meeting in San Francisco attended by leaders of major global technology companies and South Korea's leading business groups, including Samsung Electronics Executive Chairman Lee Jae-yong and SK Group Chairman Chey Tae-won. OpenAI CEO Sam Altman and Nvidia founder and CEO Jensen Huang also participated in the discussions, underscoring growing collaboration between AI developers and semiconductor companies to accelerate next-generation computing infrastructure.

India's engineering goods exports rise 21 pc in June

New Delhi : India's engineering goods exports rose 21 per cent YoY to $11.48 billion in June, up from $9.51 billion a year earlier, driven by strong demand from the United States, Germany, China, Singapore and Oman, a statement said on Monday. The statement from EEPC India said that engineering exports to Oman surged over five fold year on year to $258.97 million. The United States remained the top destination in June with shipments of $1.95 billion, and shipments to China jumped 74 per cent to $361.47 million. "Engineering goods sector has adapted to the changed trade scenario and shown immense resilience, but the engineering community needs to remain watchful of emerging challenges," said EEPC India Chairman Pankaj Chadha. India's engineering exports showed an uptick in all regions during the month. Country-wise decline was noted in Middle East countries including UAE and Saudi Arabia. However, exports to Oman increased by 420 per cent year-on-year in June. This significant increase, just after the implementation of the India-Oman FTA, helped Indian engineering exports to remain positive in the West Asia and North Africa (WANA) region. The statement added that 27 of 34 engineering panels recorded year on year growth in June exports, while seven panels including lead and products, IC engines, machinery for ATMs, cranes, lifts and winches, office equipment and prime mica saw moderation.

लंबे समय तक मोबाइल इस्तेमाल करने से न केवल हमारी आंखें थकती हैं, बल्कि शरीर के कई हिस्सों में गंभीर समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। विज्ञान के अनुसार, मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से कमर दर्द, गर्दन और कंधों में तनाव, स्पॉन्डिलाइटिस और रीढ़ की हड्डी की समस्याएं बढ़ रही हैं। इसे टेक नेक या स्मार्टफोन सिंड्रोम भी कहा जाता है।

मोबाइल के अधिक उपयोग से हो सकता है स्पॉन्डिलाइटिस

जब हम लंबे समय तक फोन को झुककर देखते हैं, तो हमारी रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव, जोड़ों में दर्द और हड्डियों की कमजोरी तक हो सकती है। स्पॉन्डिलाइटिस एक ऐसी समस्या है, जिसमें रीढ़ की हड्डी के जोड़ों में सूजन आ जाती है। मोबाइल फोन का लगातार झुककर इस्तेमाल करने से यह खतरा बढ़ता है। खासकर युवा और किशोर वर्ग में यह समस्या तेजी से फैल रही है। लोग लंबे समय तक मोबाइल पर गेम खेलते हैं, वीडियो देखते हैं या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। इस दौरान वे अपनी पीठ और कमर को सही मुद्रा में नहीं रखते, जिससे मांसपेशियों और हड्डियों पर लगातार दबाव पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति कमर और गर्दन के गंभीर दर्द में बदल सकती है।

मोबाइल फोन के लगातार उपयोग से केवल कमर या गर्दन ही नहीं, बल्कि हमारी आंखें भी प्रभावित होती हैं। मोबाइल स्क्रीन की नीली रोशनी आंखों की रेटिना और रोशनी पर असर डाल सकती है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में जलन, सूखापन, धुंधला दिखना और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मोबाइल का अत्यधिक उपयोग केवल शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं प्रभावित करता, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है।

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि मोबाइल का उपयोग सीमित समय के लिए करें और स्क्रीन को आंखों की ऊंचाई पर रखें। लंबे समय तक फोन का इस्तेमाल करते समय बीच-बीच में ब्रेक लें और स्ट्रेचिंग करें। सही मुद्रा में बैठना बहुत जरूरी है, पीठ सीधी और कंधे आराम से रखने चाहिए। इसके अलावा, नीली रोशनी को कम करने वाले ऐप्स या स्क्रीन फिल्टर्स का इस्तेमाल करना आंखों को सुरक्षित रखने में मदद करता है। लगातार नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया की तुलना और ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में भाग लेने की आदत तनाव, चिंता और नींद की कमी का कारण बन सकती है। नींद की कमी से शरीर की ऊर्जा और मांसपेशियों की रिकवरी प्रभावित होती है, जिससे मानसिक रूप से भी थकान महसूस होती है।

तंबाकू के धुएं से आंखें हो सकती हैं खराब

धूम्रपान से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बना रहता है। अब एक नये अध्ययन के अनुसार अत्यधिक धूम्रपान के कारण डायबिटीज, फर्टिलिटी में कमी तथा अंधेपन की भी आशंकाएं होती हैं। तंबाकू का ज्यादा मात्रा में सेवन आंखों की रोशनी के लिए काफी नुकसानदेह होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि रक्त में निकोटिन की मात्रा ज्यादा हो जाने पर आंखों के रेटिना पर बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा भी इसके आंखों पर कई दुष्प्रभाव होते हैं। आंखों की सतह पर नमी बनाए रखने के लिए कुछ तत्व जिम्मेदार होते हैं। ये तत्व अत्यधिक धूम्रपान से क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे में आंखों की सतह की नमी और गीलापन खत्म हो जाता है। इस वजह से आंखों में खुजली या फिर नजर में धुंधलापन आने की संभावना होती है।

एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि धूम्रपान से मोतियाबिंद भी हो सकता है। एक शोध में यह दावा किया गया है कि तंबाकू खाने वाले लोगों में मोतियाबिंद की संभावना कुछ ज्यादा ही होती है। साथ ही साथ ऐसे लोगों के संपर्क में रहने वाले लोग भी इससे प्रभावित होते हैं। धूम्रपान की वजह से तंबाकू में मौजूद निकोटिन रेटिना और ऑप्टिकल नर्सों पर घातक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में आंखों को दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ने वाली क्षति भी हो सकती है। धूम्रपान करने वाले लोगों को अक्सर मधुमेह और हाई ब्लडप्रेशर की शिकायत होती है। इन बीमारियों में भी आंखों की रोशनी कम हो जाती है।

शुगर सहित कई रोगों में फायदेमंद है मखाना

डायबिटीज यानी शुगर की बीमारी। बदलते लाइफस्टाइल में यह रोग इतनी तेजी से फैल रहा है कि ज्यादातर लोग इसकी चपेट में आते चले जा रहे है। यह रोग ऐसा है कि इससे खून में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जिससे शरीर में इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। यह बीमारी काफी गंभीर है जो आगे चलकर कई बीमारियों की जड़ बनती है। अगर शुगर के मरीज को कोई घाव भी लग जाए तो वह जल्दी से भरने का नाम नहीं लेता। शुगर के मरीज को दवाईयों और टीकों के सहारे जीना पड़ता है लेकिन इस रोग के कुछ घरेलू नुस्खे भी है जिससे इस रोग को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

जी हां, आप मखाने के चार दानों का सेवन करके शुगर से हमेशा के लिए निजात पा सकते है। इसके सेवन से शरीर में इंसुलिन बनने लगता है और शुगर की मात्रा कम हो जाती है। फिर धीरे-धीरे शुगर रोग भी खत्म हो जाता है।

सेवन की विधि

अगर आप जल्द से जल्द मधुमेह को खत्म करना चाहते है तो सुबह खाली पेट चार दाने मखाने खाएं। इनका सेवन कुछ दिनों तक लगातार करें। इससे मधुमेह का रोग तेजी से खत्म होगा।

दिल के लिए फायदेमंद

मखाना केवल शुगर के मरीज के लिए ही नहीं बल्कि हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों में भी फायदेमंद है। इनके सेवन से दिल स्वस्थ रहता है और पाचन क्रिया भी दुरूस्त रहती है।

तनाव कम

मखाने के सेवन से तनाव दूर होता है और अनिद्रा की समस्या भी दूर रहती है। रात को सोने से पहले दूध के साथ मखानों का सेवन करें।

जोड़ों का दर्द दूर

मखाने में कैल्शियम भरपूर मात्रा में होता है। इनका सेवन जोड़ों के दर्द, गठिया जैसे मरीजों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है।

पाचन में सुधार

मखाना एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो सभी आयु वर्ग के लोगों को आसानी से पच जाता है। इसके अलावा फूल मखाने में एस्ट्रीगजन गुण भी होते हैं जिससे यह दस्त से राहत देता है और भूख में सुधार करने के लिए मददगार है।

किडनी को मजबूत

फूल मखाने में मीठा बहुत कम होने के कारण यह स्प्लीन को डिटॉक्सीकफाइ करता है। किडनी को मजबूत बनाने और ब्लाड को बेहतर रखने के लिए खानों का नियमित सेवन करें।

कद्दू के बीज होते है सेहत का खजाना

डाइटिशियन के अनुसार, कद्दू के बीज इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में काफी असरदार हैं। खासतौर पर ये बीज विटामिन बी12 के प्राकृतिक स्रोत माने जाते हैं, जो आज के दौर में लोगों की डाइट से अक्सर गायब होता है। कद्दू के बीजों में जिंक, आयरन, प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ए और विटामिन बी12 पाया जाता है।

विटामिन बी12 यानी कोबालामिन एक पानी में घुलनशील विटामिन है, जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बनाने, डीएनए संश्लेषण और तंत्रिका तंत्र के सही कार्य में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से एनीमिया, नजर का कमजोर होना, पाचन संबंधी गड़बड़ी, अंगों में झुनझुनी और बोलने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप सप्लीमेंट्स की जगह घरेलू और प्राकृतिक विकल्प की तलाश कर रहे हैं, तो कद्दू के बीज को अपनी डाइट में शामिल करना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। कद्दू के बीजों को आप कई तरीकों से अपने भोजन का हिस्सा बना सकते हैं। इन्हें हल्का भूनकर नाश्ते में लिया जा सकता है, जिससे स्वाद भी बेहतर हो जाता है और पोषण भी मिलता है। अगर आप सलाद पसंद करते हैं, तो उसमें थोड़े से कद्दू के बीज डालकर विटामिन बी12 की जरूरत पूरी कर सकते हैं। स्मूदी में मिलाकर इन्हें हेल्दी ड्रिंक के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

वहीं, दही या रायते में मिलाकर इनका सेवन न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि सेहत को भी फायदा पहुंचाता है। कुल मिलाकर, कद्दू के बीज एक ऐसा सुपरफूड हैं, जिन्हें नियमित रूप से डाइट में शामिल करने से न केवल विटामिन बी 12 की कमी को दूर किया जा सकता है, बल्कि शरीर की संपूर्ण रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूती मिलती है। बता दें कि सेहतमंद जीवन के लिए लोग तरह-तरह के खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं। इन्हीं में से एक है कद्दू के बीज, जो अपने पोषक तत्वों के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

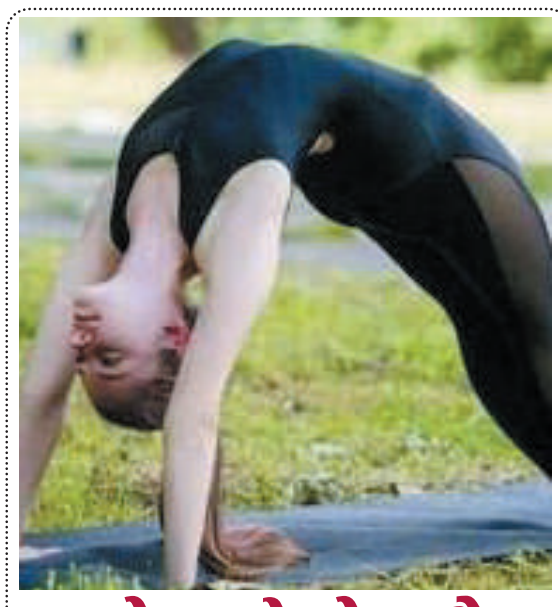

योग से होता है बांझपन का उपाय

हर महिला मां बनना चाहती है। कई महिलाएं मामूली समस्याओं की वजह से भी मां नहीं बन पाती हैं. क्योंकि कारण का पता नहीं होता है इसलिए इलाज भी मुश्किल हो जाता है।

एक साल तक लगातार संबंध बनाने के बाद भी अगर कोई स्त्री गर्भधारण नहीं कर पाती है तो माना जाता है कि पति या पत्नी में से किसी एक को प्रजनन संबंधी समस्या है. अगर स्त्री को यह समस्या है इसे बांझपन की समस्या कहते हैं।

जो स्त्री मां नहीं बन पाती उसे हमारे समाज में हेय दृष्टि से देखा जाता है। हालांकि कई महिलाएं मामूली समस्याओं की वजह से भी मां नहीं बन पाती हैं क्योंकि कारण का पता नहीं होता है इसलिए इलाज भी मुश्किल हो जाता है।

योग में बांझपन का इलाज बताया जाता है. माना जाता है कि चक्रासन बांझपन की समस्या से जूझ रही महिलाओं के लिए लाभदायक होता है।

कैसे करें चक्रासन, सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। घुटने मोड़ें और एड़ियों को नितंबों से स्पर्श कराते हुए पैरों को 10-12 इंच की दूरी पर रखें। बांह उठाएं और कोहनियां मोड़ लें। हथेलियों को कंधों के ऊपर सिर के निकट जमीन पर रख लें। सांस लें और धीरे-धीरे धड़ को उठाते हुए पीठ को मोड़ें। धीरे से सिर को लटकता छोड़ दें एवं बांहों तथा पांवों को यथासंभव तान लें। धीरे-धीरे सांस लें और धीरे-धीरे सांस छोड़ें। जब तक संभव हो सके इस मुद्रा को बनाए रखें। इसके बाद शरीर को इस तरह नीचे करते हुए आरंभिक अवस्था में लौटें कि सिर जमीन पर ही टिका रहे। शरीर के शेष भाग को नीचे लाएं तथा विश्राम करें। यह 1 चक्र हुआ। इस तरह आप 4 से 5 चक्र करें।

स्मॉग से इस प्रकार अपनी त्वचा को बचा सकतीं हैं आप

वायु प्रदूषण यानि (स्मॉग) सिर्फ सेहत को ही नहीं बल्कि त्वचा को भी काफी बुरी तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के शीर्ष 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से आधे भारत में हैं। ऐसे में त्वचा को खास ख्याल की जरूरत होती है। त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार प्रदूषण हमारी त्वचा का सबसे बड़ा दुश्मन होता है।

दरअसल, हवा में मौजूद धूल हमारी त्वचा की कोशिकाओं मे ऑक्सीजन के स्तर को कम कर देता है। त्वचा में ऑक्सीजन की कमी के कारण समय से पहले ही झुर्रियां पड़ जाती हैं। साथ ही यह धूल में मौजूद फ्री रेडिकल्स त्वचा को पूरी तरह से नष्ट करने के साथ ही कोलेजन को बनने से रोकता है।

प्रदूषण से सिर्फ झुर्रियां ही नहीं बल्कि त्वचा रुखी भी पड़ जाती है। त्वचा पर एलर्जी की वजह से जगह-जगह लाल धब्बे पड़ जाते हैं और कील मुहांसे भी काफी ज्यादा निकलने लगते हैं पर कुछ सावधानी रखकर आप अपनी त्वचाको को खराब होने से बचा सकती हैं।

प्रतिदिन हर 4 घंटे बाद अपने स्किन पर क्लींजर और टोनर लगाएं।

यूवी रेज से अपनी स्किन को बचाने और तरोताजा रखने के लिए रोजाना सन स्क्रिन जरूर लगाएं।

जीवाणुओं से होने वाले संक्रमण से बचने के लिए अपने हाथों पर हमेशा सेनिटाइजर लगाएं।

अपने चेहरे को बार बार हाथ न लगायें क्योंकि ऐसा करने से आपके हाथों के जीवाणु आपके चेहरे की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

हवा में मौजूद धूल आपकी त्वचा के रोम छिद्र को बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। इससे आपकी त्वचा में ब्लैक हेड्स और कील मुहांसे निकल आते हैं। इसलिए सप्ताह में 2 बार स्क्रब का इस्तेमाल जरूर करें, खासकर जिनकी तैलीय त्वचा है।

दिन में तकरीबन 4 लीटर तक पानी पिएं। घर से बाहर निकलते वक्त भी पानी पिएं। इससे शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई सही बनी रहेगी और वातावरण में मौजूद जहरीली गैसें अगर ब्लड तक पहुंच भी जाएंगी तो कम नुकसान पहुंचाएंगी।

ऐसे जहरीले स्मॉग में बाहर जाना सबकी मजबूरी होती है लेकिन बाहर से आने के बाद अपने चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से जरूर धोएं।

नहाने के बाद हल्के हाथों से तौलिए का इस्तेमाल करें। संभव हो तो नहाने के तुरंत बाद नारियल के तेल से या किसी ऑयली बॉडी लोशन से पूरे शरीर पर मसाज करें।

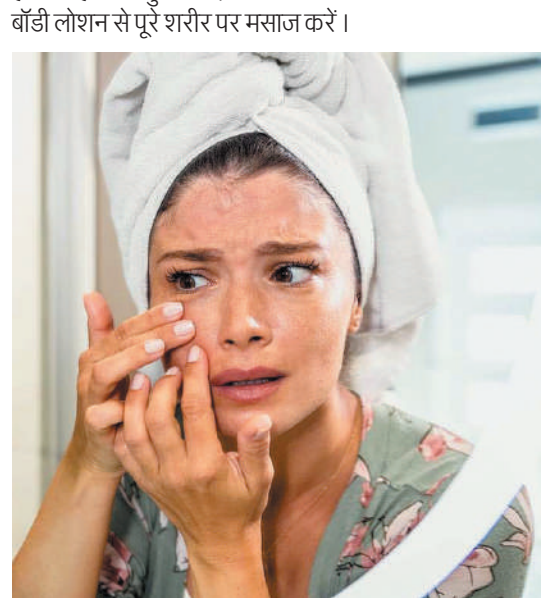

चिली के क्लब कोलो कोलो से जुड़ेंगे

फीफा वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले गोलकीपर वोजिन्हा

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से दुनिया का ध्यान खींचने वाले केप वर्डे के अनुभवी गोलकीपर वोजिन्हा अब चिली के मशहूर फुटबॉल क्लब कोलो कोलो से जुड़ने जा रहे हैं। क्लब के अध्यक्ष अनिबल मोसा ने इस समझौते की पुष्टि की है। 40 वर्षीय वोजिन्हा फिलहाल 'फ्री एजेंट' (किसी भी क्लब से अनुबंध नहीं) हैं। वह अगले कुछ दिनों में मेडिकल जांच के लिए चिली जाएंगे। मेडिकल टेस्ट पूरा होने के बाद उनके साथ आधिकारिक अनुबंध पर हस्ताक्षर होंगे और फिर एस्टाडियो मॉन्यूमेंटल में उन्हें क्लब अपने नए खिलाड़ी के रूप में पेश करेगा। कोलो कोलो के अध्यक्ष अनिबल मोसा ने बताया कि वोजिन्हा जल्द ही चिली पहुंचेंगे। सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें टीम का हिस्सा बना लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन की

बदौलत वोजिन्हा को यह बड़ा मौका मिला है। इसके साथ ही उन्होंने माना कि इस ट्रांसफर से क्लब को खेल के साथ-साथ व्यावसायिक स्तर पर भी फायदा मिलने की उम्मीद है। हालांकि, अभी इस ट्रांसफर की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन कोलो कोलो ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा कर इसके संकेत दे दिए हैं। तस्वीर में वोजिन्हा के घुंघराले बाल दिखाई दे रहे थे, जिसके बाद क्लब के प्रशंसकों ने उनके आने की अटकलें तेज कर दी हैं। वर्ल्ड कप से पहले वोजिन्हा ने पुर्तगाल के दूसरे डिवीजन के क्लब चावेस को छोड़ दिया था। इसके बाद विश्व कप में अपने प्रदर्शन से वह हर किसी का दिल जीतने में सफल रहे। फीफा की फैन वोटिंग से चुनी गई वर्ल्ड कप ड्रीम टीम में भी वोजिन्हा को जगह मिली।

'मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं' : निकोलस

इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली । अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने पर मीराबाई चानू बोलीं-

'मेरा ध्यान रिकॉर्ड पर नहीं, प्रदर्शन पर था'

ग्लासगो (एजेंसी)। भारत की भारोत्तोलन क्वीन मीराबाई चानू ने ग्लासगो में आयोजित 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और जो कुछ भी कर सकती थी, वह सब किया। मुझे खुशी है कि मैंने इन खेलों में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता है। मीराबाई चानू ने ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्नैच में 85 किलोग्राम वजन उठाकर नया रिकॉर्ड बनाया। साथ ही, उन्होंने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। मीडिया से बात करते हुए मीराबाई चानू ने कहा, 'हर खिलाड़ी का सपना कॉमनवेल्थ गेम्स में जाने का रहता है। ये गेम्स हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं, ताकि हम देश के लिए कुछ करके दिखाएं। हर प्रतियोगिता में दबाव होता है, लेकिन हमें उसे संभालना होता है। यह मेरे लिए खास तौर पर अहम था क्योंकि मैं वेटलिफ्टिंग में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती थी और भारत के लिए मेडल जीतना चाहती थी। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और जो कुछ भी कर सकती थी, वह सब किया। मुझे खुशी है कि मैंने इन खेलों में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं असल में कोई रिकॉर्ड तोड़ने के बारे में नहीं सोच रही थी क्योंकि 48 किलोग्राम वर्ग अब कॉमनवेल्थ गेम्स का हिस्सा नहीं रहेगी। मेरा ध्यान अपने प्रदर्शन पर था और यह समझने पर कि एशियाई खेलों से पहले मुझे किन सुधारों की जरूरत है।'

मीराबाई चानू ने यह भी बताया कि उनके कोच ने बोला कि ये करना है, तो मैंने बोला कि ठीक है मैं कर लूंगी, लेकिन रिकॉर्ड के लिए मैंने इतना नहीं सोचा था।

कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीसरे सीजन में जीता सोना

स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिलाया। मीराबाई ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए सोना अपने नाम किया और कॉमनवेल्थ गेम्स में ये उनका लगातार तीसरा गोल्ड मेडल रहा। मीराबाई ने ये कमाल महिलाओं की 48 किलोग्राम भारवर्ग की वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में किया। मीराबाई की यह जीत धमाकेदार इसलिए भी रही क्योंकि उन्होंने दूसरे स्थान पर रहीं नाइजीरिया की रुथ न्योंग से 22 किलोग्राम अधिक वजन उठाया। पीएम मोदी ने भी मीराबाई को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

मीराबाई चानू ने लगाई गोल्ड की हैट्रिक

मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल की शानदार हैट्रिक लगाई और उनका पहला कॉमनवेल्थ मेडल भी ग्लासगो में ही आया था। 2014 के गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था और इसके बाद उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट में इसे गोल्ड मेडल में बदला और फिर बर्मिंघम 2022 में अपना टाइटल बरकरार रखा। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक्स में भी सिल्वर मेडल जीता और ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय बनीं थीं। कॉमनवेल्थ गेम्स में ये मीराबाई चानू का चौथा पदक रहा और इसमें 3 गोल्ड व एक सिल्वर मेडल शामिल है। मीराबाई का मुकाबला इस प्रतियोगिता में असल में खुद से ही था। स्नैच में अगला सबसे अच्छा पहला लिफ्ट नाइजीरिया की रूथ असुकुओ न्योंग का 71 किलोग्राम था, जिन्होंने बाद में सिल्वर मेडल जीता।

ग्लासगो में छाए भारतीय वेटलिफ्टर्स

राजा मुथुपांडी ने दिलाया चौथा पदक

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स के चौथे दिन रविवार (27 जुलाई) को भारतीय वेटलिफ्टर्स ने शानदार प्रदर्शन किया। राजा मुथुपांडी ने वेटलिफ्टिंग में भारत को तीसरा पदक दिलाया। ग्लास्गो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में यह भारत का चौथा पदक था। राजा ने अपने डेब्यू को यादगार बनाते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता। मुथुपांडी ने स्नैच में 126 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 160 किग्रा वजन उठाया। उन्होंने कुल 286 किलोग्राम का वजन उठाया। मलेशिया के मुहम्मद अजनिल बिन बिदिन ने राष्ट्रमंडल खेलों के रिकॉर्ड के साथ कुल 299 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि पापुआ न्यू गिनी के मोरिया बारू ने 282 किग्रा के कुल भार के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

भारत आठवें स्थान पर

इससे पहले ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता। ऋषिकांत सिंह ने रजत पदक दिलाया। भारत को पहला पदक शुक्रवार को पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुषों के हेवीवेट वर्ग में कांस्य पदक जीतकर दिलाया था। वेटलिफ्टर्स के दबदबे से भारत की पदक संख्या बढ़कर चार (एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य) हो गई। पदक तालिका में भारत आठवें स्थान पर है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में नहीं कर पाए थे क्वालिफाई

26 साल के इस खिलाड़ी की 2019 कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में स्नैच के दौरान दाहिनी कोहनी में लिगामेंट फट गया था, जिसके लिए सर्जरी की जरूरत पड़ी थी। इसके बाद वह लंबे समय तक ट्रेनिंग नहीं कर पाए। उन्होंने 2021 नेशनल चैंपियनशिप में वापसी की थी, जहां वह तीसरे स्थान पर रहे। वह कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के लिए क्वालिफाई करने से चूक गए थे।

मुझे लगता है मुझे काफी कम उम्र में बहुत कुछ झेलना पड़ा: मयंक

नई दिल्ली । भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 7 विकेट से हराया। जिम्बाब्वे से मिले 126 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने आसानी से 13.2 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया। टीम की जीत में गेंद से अहम योगदान मयंक यादव ने दिया। उन्होंने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 18 रन देकर 2 विकेट चटकाए। लंबे समय बाद टीम में लौटे मयंक अपने प्रदर्शन से काफी खुश नजर आए। हालांकि, मयंक ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनको काफी कम उम्र में बहुत कुछ झेलना पड़ा है। मैच के दौरान मयंक ने कहा, 'यह बहुत मुश्किल था, खासकर दो साल का गैप एक चुनौती थी, क्योंकि उम्र मेरे साथ नहीं थी। मैं सिर्फ 22-23 साल का था। मुझे लगा कि काफी कम उम्र में ही मुझे बहुत कुछ झेलना पड़ा। हालांकि, देश के लिए खेलने का मोटिवेशन हमेशा बना रहा। इसी वजह से मैं वापसी करना चाहता था और वैसा ही प्रदर्शन करना चाहता था जैसा पहले किया था।' टीम के अन्य गेंदबाजों संग बातचीत को लेकर पूछे गए सवाल पर मयंक ने कहा, 'हम पेस के बारे में ज्यादा बात नहीं करते, लेकिन हमारी बॉन्डिंग अच्छी है। इस मुकाबले में मैंने पहला ओवर डाला, इसके

बाद मैंने प्रिंस और अशोक के साथ कुछ बातें शेयर कीं, जैसे कि मुझे कैसी मदद मिल रही थी और अटैक करने के लिए बेहतर विकल्प क्या थे। पहले छह ओवर के बाद हम बहुत अच्छी स्थिति में थे। इसलिए हमारी बातचीत इस बारे में थी कि हम उन पर और कितना दबाव बना सकते हैं और किस तरह की और गेंदें डाल सकते हैं।' मयंक ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए ब्रायन बेनेट को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। वहीं, डायोन मायर्स को उन्होंने 6 रनों के स्कोर पर आउट किया। दो विकेट चटकाने के साथ-साथ मयंक बेहद किफायती रहे और उन्होंने बेहतरीन लाइन एंड लेंथ पर गेंदबाजी की। मयंक को दूसरे छोर से प्रिंस यादव और अशोक शर्मा का भी अच्छा साथ मिला। प्रिंस ने 29 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए। मयंक को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

इन 5 उम्र में बड़े सितारों संग बनी सुपरहिट जोड़ी

जब श्रीदेवी ने अपने से 40 साल बड़े एक्टर संग किया रोमांस

शिवाजी गणेशन: 15 साल की उम्र में 55 साल के सुपरस्टार संग डांस

तमिल सिनेमा के दिग्गज अभिनेता शिवाजी गणेशन के साथ श्रीदेवी ने किशोरावस्था में स्क्रीन शेयर की थी। फिल्म 'Sandhippu' (1983) के गाने 'Devan Thantha Veenai' में दोनों साथ नजर आए। उस समय श्रीदेवी करीब 15-16 साल की थीं, जबकि शिवाजी गणेशन की उम्र 55 साल के आसपास थी। उम्र का बड़ा अंतर होने के बावजूद दोनों की स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा।

15 साल की उम्र में 55 साल के शिवाजी गणेशन संग डांस करने वाली श्रीदेवी ने अमिताभ बच्चन, जितेंद्र, रजनीकांत और मिथुन चक्रवर्ती जैसे उम्रदराज सुपरस्टार्स के साथ भी यादगार फिल्में दीं। बॉलीवुड की पहली फीमेल सुपरस्टार श्रीदेवी भले ही इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन उनसे जुड़े किस्से-कहानी आज भी वायरल होते रहते हैं। जाह्नवी कपूर की मां एक ऐसी एक्ट्रेस थी, जिसने हर उम्र के एक्टर के साथ काम किया। सबके साथ इनकी जोड़ी शानदार रही। चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर शुरुआत करने वाली श्रीदेवी ने महज 15 साल की उम्र में एक ऐसे सुपरस्टार के साथ स्क्रीन शेयर की, जो उनसे करीब 40 साल बड़े थे। बाद में उन्होंने कई उम्र में बड़े एक्टर के साथ पर्दे पर रोमांस किया। ये मूवी ना सिर्फ हिट हुई, बल्कि ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री आज भी याद की जाती है।

रजनीकांत: साउथ से बॉलीवुड तक हिट रही जोड़ी

रजनीकांत श्रीदेवीसे करीब 13 साल बड़े थे। दोनों ने तमिल फिल्मों के अलावा हिंदी फिल्म 'चालबाज' (1989) में भी साथ .काम किया। श्रीदेवी के डबल रोल और रजनीकांत के अंदाज ने फिल्म को बड़ी सफलता दिलाई।

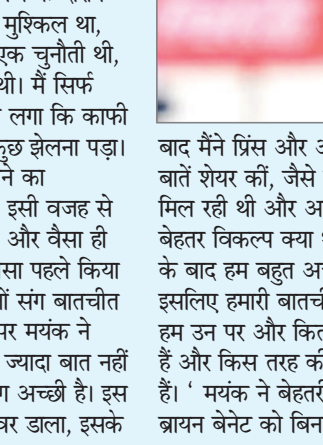

जितेंद्र: सबसे ज्यादा पसंद की गई ऑनस्क्रीन जोड़ी

80 के दशक में जितेंद्र और श्रीदेवी की जोड़ी दर्शकों की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक थी। दोनों ने 'हिम्मतवाला', 'मवाली', 'तोहफा', 'जस्टिस चौधरी' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया। जितेंद्र श्रीदेवी से करीब 21 साल बड़े थे, लेकिन दोनों की एनर्जी पर्दे पर कमाल की लगती थी।

मिथुन चक्रवर्ती: रियल लाइफ अफवाहों ने भी बटोरी सुर्खियां

मिथुन चक्रवर्ती और श्रीदेवी ने 'वतन के रखवाले', 'गुरु' और 'वक्त की आवाज' जैसी फिल्मों में साथ काम किया। दोनों के अफेयर की खबरें भी लंबे समय तक सुर्खियों में रहीं। मिथुन श्रीदेवी से लगभग 13 साल बड़े थे और उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

ज्योतिर्मयी नायक बनीं 'इंडियन आइडल 16' की विनर

तनिष्क और मनराज रहे रनर-अप

कई महीनों तक शानदार परफॉर्मेंस और इमोशनल पलों के बाद 'इंडियन आइडल 16' के विजेता की घोषणा रविवार को हुई। ज्योतिर्मयी नायक ने रविवार को इंडियन आइडल 16 का खिताब अपने नाम कर लिया है। ग्रैंड फिनाले में जीत की ट्रॉफी के साथ उन्हें सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की तरफ से 20 लाख का कैश प्राइज मिला।

सिंगिंग रियलिटी शो के इस 16वें सीजन के टॉप 3 फाइनलिस्ट मनराज वीर सिंह, ज्योतिर्मयी नायक और तनिष्क शुक्ला रहे और अंत में ज्योतिर्मयी नायक ने बाजी मारी। तनिष्क पहले रनरअप रहे और मनराज दूसरे रनरअप बने।

इंडियन आइडल 16 के फाइनल में जज के तौर पर बादशाह, कुमार सानू और श्रेया घोषाल मौजूद रहे, जबकि विशाल ददलानी वीडियो कॉल के जरिए सभी से जुड़े। इसके अलावा अभिनेत्री शहनाज गिल कार्यक्रम में स्पेशल गेस्ट के तौर पर पहुंचीं।

तनिष्क शुक्ला और मनराज वीर सिंह इस सीजन के रनर-अप रहे। दोनों को 5-5 लाख का कैश प्राइज मिला है। फिनाले की रेस में स्पॉटलाइट राउंड के बाद मैस्मे बोसु बाहर हो गए थे। इसके अलावा कम वोट मिलने की वजह से अंशिका चोंकर और सुहैल सूफी भी एलिमिनेट हो गए। दोनों को 3-3 लाख का कैश प्राइज दिया गया।

फाइनल एपिसोड की खास बातें

जज विशाल ददलानी फाइनल में मौजूद नहीं रहे। उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए शो ज्वॉइन किया। उषा उत्थुप ने 'रंभा हो' समेत कई गानों पर धमाकेदार परफॉर्मेंस दी। जज कुमार सानू ने भी 'ये काली काली आंखें' समेत कई गानें पर परफॉर्म किया। फाइनल में एक्ट्रेस शहनाज गिल भी शामिल हुई और सभी कंटेस्टेंटस का हौंसला बढ़ाया।

संक्षिप्त समाचार

सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारत के युवाओं का भविष्य निष्पक्षता, पारदर्शिता और समान अवसरों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर हर छात्र की आकांक्षाओं की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पेपर लीक जैसी अनियमितताओं के खिलाफ सख्त

कार्रवाई करने और मजबूत कानूनी प्रावधानों के जरिए परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के अवसरों का विस्तार, स्टार्टअप और नवाचार को निरंतर प्रोत्साहन तथा विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था के माध्यम से हर युवा को सशक्त बनाना सरकार का लक्ष्य है। रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार की सोच हर युवा को आगे बढ़ने का अवसर देने और देश के भविष्य को मजबूत बनाने की है।

वसंत कुंज हादसे में तीन दिन बाद भी जिम्मेदारी तय नहीं, खुले नाले में कार गिरने से हुई थी छात्र की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी। वसंतकुंज साउथ थाना क्षेत्र स्थित नांगल देवत लाल बत्ती के पास तीव्र मोड़ पर फिसलकर एक कार खुले नाले में जा गिरी और पलट गई। हादसे में एक 20 वर्षीय छात्र यशवेन्द्र की मौत हो गई। घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी दिल्ली पुलिस यह तय नहीं कर पाई है कि इस हादसे के लिए जिम्मेदारी आखिर किस विभाग की है। जिम्मेदारी तय न होने से अब तक एफआइआर भी दर्ज नहीं हो पायी है। पुलिस की प्राथमिक जांच के दौरान सामने आया था कि यह खुला नाला डीडीए का है, जिसे निमार्णाधीन कार्य के चलते खुला छोड़ गया था। प्राधिकरण की ओर से हादसा सामने आने के बाद बताया गया कि मोड़ स्पीड ब्रेकर बनाने के लिए दिल्ली ट्रेफिक पुलिस को पत्र लिखा था, जिसकी एनओसी नहीं मिली। सूत्रों के मुताबिक स्पीड ब्रेकर न होने के चलते मोड़ पर तेज रफ्तार गाड़ियों के हादसे का शिकार होने की आशंका बनी रहती है।

कैप्टन गौड़ मार्ग का कट पूरी तरफ बंद, इस्कॉन मंदिर रोड पर नहीं लगेगा जाम

नईदिल्ली, एजेंसी। ईस्ट आफ कैलाश की ओर से आने पर कैप्टन गौड़ मार्ग पर बनने वाला तिराहा न केवल ट्रैफिक पुलिस के लिए सिरदर्द था, बल्कि राजा धीर सेन मार्ग की कालोनियों के लिए परेशान बन गया था। पीक समय यानी सुबह व शाम को कई बार वाहनों की कतार कैप्टन गौड़ मार्ग पर पीछे ओखला मंडी तक और दूसरी तरफ बढ़कर रिंग रोड तक पहुंच जाती थी। स्थानीय आरडब्ल्यूए के सुझाव पर मई में दो सप्ताह के ट्रायल के तौर ट्रैफिक पुलिस ने बैरिकेड लगाकर इस तिराहे को बंद किया था। इसके चलते कैप्टन गौड़ मार्ग से लेकर राजा धीर सेन मार्ग पर लगने वाला जाम काफी हद तक नियंत्रित हो गया। ट्रायल सफल होने पर पर अब इसे स्थाई तौर पर बंद कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत आवागमन के लिए कैप्टन गौड़ मार्ग कट से 100 मीटर आगे व पीछे यू-टर्न दिया गया है। अब राजा धीर सेन मार्ग से ओखला मंडी की तरफ जाने के लिए तिराहे से बायीं तरफ 100 मीटर आगे जाकर यू-टर्न लेना होगा। वहीं रिंग रोड की तरफ से राजा धीर सेन मार्ग (इस्कॉन मंदिर की ओर) जाने वालों को कैप्टन गौड़ मार्ग पर तिराहे के 100 मीटर आगे से यू-टर्न लेकर जाना होगा। श्रीनिवासपुरी पार्षद राजपाल सिंह ने कहा कि इससे निश्चित रूप से स्थानीय निवासियों को काफी राहत मिल रही है। क्षेत्र को जाम से मुक्त रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस की यह पहल सराहनीय है।

कई राजनीतिक दल छात्र आंदोलनों से ही निकले

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन खत्म...अब क्या राजनीति में एंट्री करेंगे दीपके!

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ ही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जंतर-मंतर पर चल रहा आंदोलन खत्म हो गया है। प्रदर्शन समाप्त होने के बाद नई दिल्ली नगर निगम के कर्मचारी प्रदर्शन क्षेत्र की साफ-सफाई करने में जुटे हैं। वहीं, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थक भी वापस लौट चुके हैं। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि सीजेपी अब आगे क्या करेगी? क्या दीपके कोई अपनी कोई राजनीतिक पार्टी बनाएंगे या किसी दूसरी पार्टी में शामिल होंगे?

जंतर-मंतर पर चले इस आंदोलन को पूरी तरह गैर-राजनीतिक बताया गया, हालांकि इसके मंच पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद पवार गुट) सहित कई विपक्षी नेताओं ने हिस्सा लिया। फिल्म और खेल जगत की कुछ हस्तियां भी आंदोलन के समर्थन में दिखाई दीं। इसके बावजूद ष्टछ्वक्क ने खुद को किसी राजनीतिक दल के रूप में पेश नहीं किया। जेएनयू के सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज के प्रोफेसर डॉ. सुधीर कुमार ने बीबीसी से बात करते हुए कहा कि, सीजेपी ने अब तक अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर कोई संकेत नहीं दिया है। उनके मुताबिक, इस आंदोलन ने छात्रों में नई ऊर्जा पैदा की है। पिछले कई वर्षों में शिक्षा से जुड़े कई आंदोलन हुए, लेकिन सीजेपी ने उन्हें फिर से सक्रिय करने का काम किया। साथ ही विपक्षी दलों ने भी छात्रों की मांगों को गंभीरता से उठाना शुरू किया।

वहीं, वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष का कहना है कि कॉकरोच जनता पार्टी ने एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उनके मुताबिक, इस आंदोलन ने यह संदेश दिया कि लोकतांत्रिक तरीके से सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है। हालांकि उनका मानना है कि सीजेपी को राजनीतिक पार्टी नहीं बनना चाहिए। उनके अनुसार, यदि यह आंदोलन राजनीतिक दल में बदलता है तो इसकी नैतिक ताकत और विश्वसनीयता कमजोर पड़ सकती है।

एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज के पूर्व निदेशक डीएम दिवाकर की राय अलग है। उनका कहना है कि भारत में कई राजनीतिक दल छात्र आंदोलनों से ही निकले हैं। उन्होंने 1974 के जेपी आंदोलन और बाद में बनी जनता पार्टी का उदाहरण दिया। उनके मुताबिक, सीजेपी भले ही खुद को राजनीतिक

दल नहीं कह रही हो, लेकिन उसके मुद्दे और बयान राजनीतिक हैं। इसलिए भविष्य में इसके राजनीतिक मंच बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सोशल मीडिया से सड़क तक का सफर: सीजेपी की शुरुआत सोशल मीडिया पर एक व्यंग्य के रूप में हुई थी। मई में सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी के बाद 'कॉकरोच' शब्द सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। इसके बाद सीजेपी नाम से वेबसाइट बनी, सोशल मीडिया पर लाखों लोग जुड़े और नीट पेपर लीक के मुद्दे पर अभियान शुरू हुआ। 6 जून को पहला प्रदर्शन हुआ और 20 जून से जंतर-मंतर पर लगातार आंदोलन शुरू हो गया। आखिरकार एक महीने बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया।

विश्लेषकों का कहना है कि इस आंदोलन ने यह दिखाया कि आज के युवा केवल वोट देने तक सीमित नहीं रहना चाहते। वे नीतियों और फैसलों में अपनी भागीदारी भी चाहते हैं। वहीं आशुतोष का मानना है कि सीजेपी ने जेन-जी के अंदर लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत किया है। इस आंदोलन ने यह धारणा भी बदली कि आज के युवा केवल सोशल मीडिया तक सीमित हैं।

सीजेपी का आगे क्या होगा?

फिलहाल सीजेपी का आंदोलन समाप्त हो चुका है, लेकिन इसकी चर्चा अभी खत्म नहीं हुई है। कुछ विशेषज्ञ इसे एक सफल छात्र आंदोलन मानते हैं, जबकि कुछ इसके भीतर भविष्य की राजनीतिक ताकत देखते हैं। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि सीजेपी नए मुद्दों पर फिर सक्रिय होती है या इसके उठाए गए मुद्दों को विपक्षी दल आगे बढ़ाते हैं। इतना तय है कि इस आंदोलन ने देश में छात्र राजनीति और लोकतांत्रिक भागीदारी पर नई बहस जरूर शुरू कर दी है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट, गर्मी और उमस से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसमी उतार चढ़ाव के बीच सोमवार को दिल्ली- एनसीआर में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने का पूर्वानुमान है। हालांकि उमस भी परेशानी करेगी, लेकिन बारिश से कुछ राहत मिलने के आसार हैं।

मौसम विभाग का कहना है कि बादलों की आवाजाही रहेगी, कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश भी संभावित है। अलबत्ता अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे ही रहेगा।

सोमवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। दिन में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। बीच बीच मे धूप खिले रहने पर उमस से भी परेशानी होगी। 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं।

दिनभर रही धूप छाया, उमस भरी गर्मी से परेशान रहे लोग: सुबह से शाम तक दिनभर रविवार को आसमान में बादल मंडराते रहने की वजह से धूप

छाया का मौसम रहा। तेज धूप रहने की वजह से दिन में लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। हालांकि शाम को गर्मी से हल्की राहत रही।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में बादल मंडराते रह सकते हैं। लेकिन तेज धूप निकलने पर गर्मी का एहसास हो सकता है। पिछले करीब दो हफ्ते से आसमान में बादल मंडराते रहने के साथ धूप छाया का मौसम बना हुआ है। बीच में दो तीन दिन वर्षा भी हुई थी। जिसके बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी। उधर, सोमवार को सुबह 10 बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 101 दर्ज किया गया। इसे 'मध्यम' श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में ही चल रही है। हाल फिलहाल इसमें खास बदलाव नहीं होगा।

इंस्टाग्राम पर छाई दिल्ली की शिक्षिका, सुमी सियाग की अनोखी पहल ने जीता यूजर्स का दिल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के एक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका का वीडियो सोशल मीडिया पर यूजर्स का दिल जीत रहा है। शिक्षिका की इस अद्भुत पहल की हर कोई तारीख कर रहा है। सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम प्लेटफार्म पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि कैसे एक सरल और कम लागत वाला तरीका नन्हे बच्चों को उनके स्कूल में दिन की शुरुआत से ही आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी सिखा रहा

है। शिक्षिका सुमी सियाग ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर स्कूल के बच्चों का एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसका शीर्षक है 'मेरे नन्हे बच्चे, कमान संभाल रहे हैं'। वीडियो में सबसे पहले शिक्षिका क्लास रूम में प्रवेश करती दिखाई दे रही हैं। इसके बाद बच्चे क्लास के अंदर प्रवेश करते हैं और बच्चे सीट पर बैठने के बजाय दीवार लगे रंगीन बोर्ड के जरिए अपनी-अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। बता दें कि दीवार पर लगे रंगीन बोर्ड पर कुछ खाली माचिस की डिब्बियों की पंक्तियां बनी हैं। खास बात यह है कि इन सभी माचिसों के ऊपर बच्चों की तस्वीर लगी है। प्रत्येक माचिस की डिब्बी के अंदर '¿' (अनुपस्थित) और 'क्क' (उपस्थित) अक्षर लिखे हैं।

पीओके में विरोध प्रदर्शन के बीच चुनाव

जानलेवा झड़पों और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पीओके में होने जा रहे चुनाव, हिंसा की आशंका के बीच सख्त पहरा

इस्लामाबाद , एजेंसी। लगातार हो रहे विरोध-प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों के बीच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तथाकथित विधानसभा के लिए आज

चुनाव होने जा रहे हैं। पीओके में 45 सीटों के लिए चुनाव 10 अगस्त तक तीन चरणों में होंगे।

पहले चरण में सोमवार को मीरपुर डिवीजन के 13 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी। इसके बाद 2 अगस्त को मुजफ्फराबाद डिवीजन के नौ निर्वाचन क्षेत्रों और सभी 12 रिफ्यूजी निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी और 10 अगस्त को पूंछ डिवीजन के बाकी 11 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी। तैनात किए गए 14 हजार पुलिसकर्मी चुनाव से पहले पाकिस्तान के पंजाब प्रांत ने चुनाव सुरक्षा के लिए पीओके में 14,000 पुलिसकर्मी तैनात किए हैं। एक पाकिस्तानी सरकारी अधिकारी ने बताया, पंजाब सरकार ने कश्मीर सरकार के अनुरोध पर कश्मीर चुनाव सुरक्षा ड्यूटी के लिए पंजाब पुलिस के 14,000 कर्मियों को भेजा है। अधिकारी ने आगे कहा, इनमें से 30 प्रतिशत के पास हथियार हैं और 70 प्रतिशत दंगा-रोधी उपकरणों से लैस हैं।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा इस महीने की शुरुआत में पीओके के चुनाव आयुक्त गुलाम मुस्तफा मुगल ने की थी। विधानसभा में 53 सीटें हैं, जिनमें से 45 पर सीधे चुनाव होते हैं जबकि आठ सीटें महिलाओं, टेक्नोक्रेट और धर्मगुरुओं के लिए आरक्षित हैं। कुल सीटों में से 12 सीटें उन रिफ्यूजी के लिए आरक्षित हैं जो 1947 के बाद पीओके में बस गए थे। इस बीच गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के चुनाव 7 जून को हुए थे।

ये चुनाव इलाके में लंबे समय से चल रही अशांति के माहौल में हो रहे हैं। जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी ने लगभग दो महीनों तक विरोध-प्रदर्शन की अगुवाई की और कई अन्य मांगों के साथ-साथ शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करने की मांग की।

ये प्रदर्शन सुरक्षा बलों के साथ हिंसक झड़पों में बदल गए, जिसमें पाकिस्तानी अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों दोनों के हताहत होने की बात कही गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अशांति के बाद क्षेत्रीय सरकार ने आतंकवाद-रोधी कानून के तहत जैक पर प्रतिबंध लगा दिया और अधिकारियों ने झड़पों से पहले और बाद में 100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। चुनाव में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज का मुकाबला पाकिस्तान पीपल्स पार्टी से है जो केंद्र सरकार में उसकी सहयोगी पार्टी है।

● सार्वजनिक जगह पर हुई गोलीबारी

पहले बात की, फिर मार दी गोली... कनाडा में टारगेट अटैक में भारतीय मूल की युवती की मौत

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 26 वर्षीय युवती की हत्या कर दी गई। पुलिस का कहना है कि यह एक टारगेटेड हमला था। मृतक की पहचान नवनीत कौर के रूप में हुई है। उसे हम्बरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड के पास गोली मारी गई। उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया।

टोरंटो पुलिस ने कौर की हत्या के मामले में ब्रैम्पटन के एक 37 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध की पहचान शरणजीत सिंह के तौर पर हुई है। उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर और अंडरटेकिंग का पालन न करने का आरोप लगाया गया है।

टोरंटो पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 7-23 बजे (श्वस्ज्ञ) उन्हें गोली चलने की सूचना मिली, जिसके बाद उनके अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें कौर गोली लगी हालत में मिली। सीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई और जान बचाने की कोशिशें भी की

गई लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया।

घटनास्थल से भागते दिखा संदिग्ध

ड्यूटी इंस्पेक्टर स्कॉट ब्रैडबरी ने मीडिया को बताया कि गोलीबारी किसी घर में नहीं बल्कि बाहर सार्वजनिक जगह पर हुई। अधिकारी ने बताया कि एक पुरुष संदिग्ध को घटनास्थल से भागते हुए देखा गया। पुलिस ने संदिग्ध का पता लगाने के लिए कई संसाधनों का इस्तेमाल किया, जिनमें ड्रोन और के9 यूनिट शामिल थे।

चश्मदीद ने क्या बताया?

एक चश्मदीद ने सीबीसी न्यूज को बताया कि वे बाहर सुबह की कॉफी पी रहे थे तभी उन्होंने पीड़ित महिला को हम्बरवुड पर पूरब की ओर जाते देखा। फिर उन्होंने एक आदमी को उस महिला के पीछे-पीछे जाते देखा।

गवाह ने बताया कि संदिग्ध ने पीड़िता से कुछ कहा, जिससे वह पीछे मुड़ी। थोड़ी बातचीत के बाद उस आदमी ने उसे एक गोली मारी और फिर बंदूक लेकर भाग गया। गवाह ने आगे कहा कि ऐसा नहीं लग रहा था कि वे दोनों व्यक्ति बहस कर रहे थे।

पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें लगता है कि कौर की हत्या एक टारगेटेड हमला थी और अब कोई संदिग्ध नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि गोली मारने के पीछे की वजह अभी साफ नहीं है और पुलिस की होमिसाइड टीम अब इस मामले की जांच कर रही है।

भारत के छात्रों पर हम सभी को गर्व, लंदन में हो रहे विरोध प्रदर्शन में बोलीं ग्रेटा थनबर्ग

लंदन , एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध स्वीडिश जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने नीट पेपर लीक मामले और शिक्षा प्रणाली में अनियमितताओं के खिलाफ भारत में हुए 36 दिवसीय छात्र आंदोलन का समर्थन किया है। और कहा कि भारतीय छात्रों पर हम सभी को गर्व है।

ग्रेटा थुनबर्ग ने लंदन में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा चल रहे प्रदर्शन को संबोधित करते हुए थनबर्ग ने कहा कि भारतीय छात्रों के विरोध प्रदर्शन ने जनशक्ति का सच्चा अर्थ दिखाया है और पूरे विश्व को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों ने एक उद्देश्य के लिए एकजुट होकर खड़े होकर दुनिया भर के

युवाओं को गौरवान्वित किया है, जिससे यह उम्मीद जगी है कि जब लोग एक साथ आते हैं और विरोध करते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है।

भारतीय छात्रों का न्याय, लोकतंत्र और मुक्ति के लिए संघर्ष हमारा भी संघर्ष है। इसलिए अब हम सभी को एकजुट होकर भारत के साथ एकजुटता से उठ खड़ा होना होगा। जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में लंदन में एसएफआई ने कहा, एसएफआई यूके छात्र आंदोलन के संघर्ष और शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने में मिली सफलता को सलाम करता है। यह संघर्ष बेहद प्रेरणादायक और साहसी रहा है।

फ्लाइट से उतरते ही क्यों बिगड़ जाता है पेट: शोध में चौंकाने वाला खुलासा; सामने आई 'गट जेट लैग' की सच्चाई

वारसा, एजेंसी। लंबी दूरी की हवाई यात्रा के बाद होने वाला जेट लैग केवल नींद और थकान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह आंतों में मौजूद बैक्टीरिया के संतुलन को भी प्रभावित करता है। पोलैंड की व्रोकलॉ मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, कई टाइम जोन पार करने पर शरीर की जैविक घड़ी के साथ आंतों के सूक्ष्मजीवों की दैनिक लय भी बिगड़ जाती है। न्यूट्रिएंट्स पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट में इस स्थिति को 'गट जेट लैग' कहा गया है। अध्ययन के अनुसार, मस्तिष्क में मौजूद जैविक घड़ी नींद, भूख और हार्मोन को नियंत्रित करती है, जबकि आंतों के बैक्टीरिया भी दिन-रात के अनुसार सक्रिय रहते हैं। यात्रा के दौरान रोशनी, नींद और भोजन का समय अचानक बदलने से गट-ब्रेन एक्सिस प्रभावित होता है। इसके कारण पाचन संबंधी समस्याएं, खराब नींद और ऊर्जा में कमी जैसी दिक्कतें सामने आ सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे बचाव के लिए यात्रा से कुछ दिन पहले ही गंतव्य के समय के अनुसार सोने-जागने का अभ्यास करना चाहिए। उड़ान के दौरान और वहां पहुंचने के बाद स्थानीय समय के अनुसार भोजन करना चाहिए तथा रात में भारी भोजन से बचना चाहिए। पर्याप्त पानी पीना, नियमित नींद लेना और दिन में प्राकृतिक रोशनी के संपर्क में रहना शरीर को नई दिनचर्या के अनुरूप ढालने में मदद करता है। आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह से प्रोबायोटिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है। भोजन के समय में अचानक बदलाव से पाचन एंजाइमों और पित्त के स्राव पर असर पड़ता है। इससे पेट फूलना, भारीपन, भूख में बदलाव और कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अकिंत अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।